दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 55 | ग्वालियर, बुधवार 6 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का नारा वाजपेयी की दूरदर्शिता

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को दूरदर्शी बताया है. उन्होंने कहा कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के रोडमैप का पालन किया गया होता तो तत्कालीन राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में नहीं बदला जाता. मुख्यमंत्री विधानसभा में श्रद्धांजलि सभा के दौरान बोल रहे थे. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पुरानी घटना को याद करते हुए कहा, ÷तत्कालीन विधानसभा से जम्मू-कश्मीर को अधिक स्वायत्तता देने का प्रस्ताव पारित होने के बाद नई दिल्ली ने वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में खारिज कर दिया था. वाजपेयी को गलती का एहसास हुआ. उन्होंने तत्कालीन कानून मंत्री को इस विषय पर राज्य सरकार से बातचीत करने के लिए नियुक्त किया. लेकिन, जैसा कि नियति में लिखा था, उनका निधन हो गया और बस यही हुआ. उन्होंने कहा, मैं स्वर्गीय वाजपेयी के बारे में क्या कहूं वाजपेयी दूरदर्शी और महान व्यक्तित्व के धनी थे. उन्होंने लाहौर बस शुरू की और मीनार-ए-पाकिस्तान गए.

बस खाई में, 36 की मौत

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में यात्री बस खाई में गिरी। एक ही झटके से कई यात्री खिड़कियों से बाहर गिरे।

देहरादून ■

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सोमवार की सुबह एक यात्री बस गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। हादसा अल्मोड़ा में मार्चुला के पास हुआ। बस में 42 यात्री सवार थे। हादसे की वजह का पता नहीं चला है। लेकिन इतना बताया गया है कि बस मोड़ पर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने घटना की जानकारी देते हुए बताया- बस नदी से करीब 10 फीट पहले पेड़ में फंसकर रुक गई। खाई में गिरने के दौरान झटके से कई यात्री खिड़कियों से बाहर जा गिरे।

बताया गया है कि बस किनाथ से रामनगर जा रही थी और बस में ज्यादातर स्थानीय यात्री ही थी। यह भी बताया गया है कि दिवाली और दूसरे त्योहारों की लंबी छुट्टी के बाद सोमवार को पहला कामकाजी दिन था। इसलिए बस पूरी भरी हुई थी। पुलिस ने बताया कि बस गढ़वाल

मोटर्स ओनर्स यूनियन लिमिटेड की थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि बस की हालत बेहद खराब थी।

सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दिल्ली में थे लेकिन घटना की सूचना मिलते ही वे बैठक छोड़ कर अल्मोड़ा के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को चार चार लाख रुपए और घायलों को एक एक लाख रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। साथ ही कुमाऊं मंडल के आयुक्त को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए। बस की जांच करके मंजूरी देने वाले पौड़ी और अल्मोड़ा के अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। कुछ घायलों की स्थिति गंभीर है, जिन्हें हेलीकॉप्टर से ऋषिकेश एम्स ले जाया गया है।

इस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने सोमवार को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

-विस्तृत अंदर

उपचुनावों की तारीख बदली

नई दिल्ली। चुनावों कार्यक्रम की घोषणा के बाद उसकी तारीखों में बदलाव का सिलसिला जारी है। इस बार चुनाव आयोग ने उपचुनाव के कार्यक्रमों में बदलाव किया है। अब तीन राज्यों में विधानसभा सीटों के उपचुनाव 13 की बजाय 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने सोमवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदल दी। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि तीनों राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को वोटिंग होगी। नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे।

चुनाव आयोग की ओर से बताया गया कि उत्तर प्रदेश की नौ, पंजाब की चार और केरल की एक विधानसभा सीट पर अब 20 नवंबर को मतदान होगा। बताया गया है कि मतदान की तारीखों में बदलाव भाजपा, कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकदल और बसपा की मांग पर किया गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक इन पार्टियों का कहना था कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक देवजी का प्रकाश पर्व है। वहीं, केरल में 13 से 15 नवंबर तक कलपाथि रास्थोलसेवम मनाया जाएगा। इससे वोटिंग पर असर पड़ता। इस वजह से मतदान की तारीख आगे बढ़ाई गई है। हालांकि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में मतदान की तारीख बढ़ाए जाने का विरोध किया है।

चुनाव आयोग की सोमवार की घोषणा के मुताबिक 11 राज्यों की 33 सीटों पर मतदान की तारीख में बदलाव नहीं किया गया है। यानी इन 33 सीटों पर पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक 13 नवंबर को ही वोटिंग होगी। इसी दिन झारखंड विधानसभा की 43 सीटों पर मतदान होंगे। इसके साथ ही केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव होंगे। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र व झारखंड के साथ 14 राज्यों की 47 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की थी। अब आयोग ने तीन राज्यों की 14 सीटों पर उपचुनाव को आगे बढ़ा दिया। अब 14 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा।

नब्ज पर हाथ

गुजराती क्यों भारत से भाग रहे?

पता नहीं, देश के हुक्मरानों को यह देख कर शर्म आती है या नहीं कि भारतीय नागरिक कैसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा या किसी भी सभ्य व विकसित देश की सीमा में अवैध रूप से घुसना चाहते हैं और पकड़े जाने पर अपमानित होकर निकाले जाते हैं या इस कोशिश में मर जाते हैं, घायल होते हैं? हमें तो बड़ी शर्म आती है। अभी एक आंकड़ा आया है कि इस साल के पहले नो महीने में अमेरिका की सीमा में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करते हुए 90,415 भारतीय पकड़े गए हैं। यह अमेरिका का सरकारी आंकड़ा है कि हर घंटे 10 भारतीय उसकी सीमा में अवैध रूप से घुसते हुए पकड़े जा रहे हैं। अमेरिका की बॉर्डर पुलिस उनको पकड़ कर वापस उस सीमा में भेज देती है, जहां से वे आए होते हैं। अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में इस साल एक सो भारतीयों ने जान गंवाई है और हजारों घायल हुए हैं। सोचें, दूसरे देश में जाने के लिए जेवर और जमीन बेच कर लोग लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं और ऊपर से इतना जोखिम भी उठा रहे हैं!

जो लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसने में कामयाब हो जाते हैं उनको अलग से पकड़ा जा रहा है और जहाज में भर कर भारत भेजा जा रहा है। इस साल अमेरिका अभी तक 11 सो भारतीयों को निकाल कर वापस भेज चुका है। अवैध रूप से अमेरिका में घुसे भारतीयों से भरा एक जहाज तो 22 अक्टूबर को पंजाब पहुंचा है। अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में पकड़े जा रहे लोगों में 50 फीसदी गुजराती हैं। पहला स्थान कथित खाते-पीते, विकसित गुजरात के लोगों का है और उसके बाद पंजाब का नंबर है। सोचें, ये दोनों देश के अपेक्षाकृत संपन्न राज्य हैं। देश की गोबरपट्टी के मुकाबले इनके यहां प्रति व्यक्ति आय बेहतर है। औद्योगिक विकास बेहतर है और जीवन स्तर बेहतर है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बंगाल और ओडिशा के मजदूर इन राज्यों में कमाने जाते हैं और इन राज्यों के लोग अमेरिका, कनाडा में घुसने के लिए जान दे रहे हैं!

इसके सामाजिक, आर्थिक कारणों की पड़ताल करने की जरुरत है कि क्यों अपेक्षाकृत संपन्न राज्यों के नागरिक देश छोड़ना चाहते हैं? क्या उनको लग रहा है कि भारत में उनका जीवन स्तर बेहतर नहीं हो सकता है और उन्हें अपने व अपने बच्चों की चिंता में किसी दूसरे सभ्य और विकसित देश में जाना चाहिए? क्या उनको यह लग रहा है कि भारत उनके और उनके बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं रह गया है या यहां की शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था उनके अनुकूल नहीं है? क्या उनको भारत में विकास करने, आगे बढ़ने का अवसर मिलता नहीं दिख रहा है? क्या देश की विभाजनकारी राजनीति इसके लिए जिम्मेदार है या बढ़ता क्रोनी केपिटलिज्म लोगों के अवसर छीन रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि बेहतर अवसर और बेहतर जीवन स्तर की तलाश से ज्यादा भेदभाव की नीतियां, सामाजिक तनाव, राजनीतिक विभाजन, आर्थिक असमानता आदि लोगों को मजबूर कर रही है कि वे देश छोड़ कर जाएं?

ये सवाल इसलिए हैं क्योंकि मध्य वर्ग या निम्न मध्य वर्ग के लोग ही बेहतर जीवन की तलाश में देश छोड़ कर नहीं भागना चाह रहे हैं। संपन्न और उच्च तबके का भी एक बड़ा हिस्सा किसी तरह दूसरे देश की नागरिकता लेने की कोशिश में है। भारत के गृह राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने संसद के पिछले सत्र में एक आंकड़ा दिया, जिसके मुताबिक 2015 से 2023 के बीच नो साल में देश के 12 लाख 39 हजार से कुछ ज्यादा लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ कर किसी दूसरे देश की नागरिकता ली। उससे पहले सन 2000 से 2014 के 14 सालों में सिर्फ 61 हजार करोड़पतियों ने भारत की नागरिकता छोड़ी थी। यानी 2014 से पहले जो सालाना औसत करीब साढ़े चार हजार का था वह अब डेढ़ लाख का हो गया है। पिछले नो साल में हर दिन औसतन 377 लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ी। यह आंकड़ा उन लोगों का है, जो वैध तरीके से दूसरे देश में जाकर वहां की नागरिकता ले रहे हैं और भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। ये लोग अवैध रूप से घुसने वालों से अलग हैं। अवैध रूप से दूसरे देशों में घुसने की कोशिश करने वाले बेहतर जीवन स्तर की तलाश में हैं लेकिन ये लोग बेहतर जीवन स्तर वाले हैं। ये करोड़पति और अरबपति लोग हैं या मेडिकल, इंजीनियरिंग के क्षेत्र के मेधावी पेशेवर लोग हैं। इनका पलायन ज्यादा चिंता की बात है क्योंकि अपने धन और अपनी मेधा से ये लोग देश के लिए जो कर सकते थे, देश उससे वंचित हो रहा है। इनकी योग्यता और क्षमता का लाभ किसी और देश को मिल रहा है।

सोचें, एक तरफ हर दिन दावा किया जा रहा है कि भारत विश्वगुरू बन रहा है या भारत विश्वमित्र बन रहा है या भारत मैन्यूफैक्चरिंग का हब बन रहा है, भारत दुनिया के देशों के लिए निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बन रहा है, भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, देश में अमृतकाल चल रहा है, दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है और दूसरी ओर यह हकीकत है कि भारत के नागरिक को किसी भी तरह किसी और देश में चले जाना है। इस विरोधाभास की व्याख्या कैसे हो सकती है? यह कैसे पता चलेगा कि भारत की असलियत क्या है, वह जिसका दावा किया जा रहा है या वह जो शर्मनाक आंकड़ों से जाहिर हो रहा है?

इस पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है कि आखिर भारत ऐसा क्यों हो गया? क्यों भारत के लोग यहां से वैध या अवैध तरीके का इस्तेमाल करके भाग जाना चाहते हैं? यह भी एक बड़ा सवाल है कि हमारी कूटनीति में सबसे अहम बात दुनिया के विकसित देशों से वीजा की भीख मांगना ही क्यों है? अभी हाल में जर्मनी के चांसलर भारत आए तो उनसे 80 हजार अतिरिक्त वीजा को लेकर मोलभाव किया गया। हम इस बात पर खुश होते हैं कि अमेरिका, ब्रिटेन या यूरोप का कोई देश भारत के छात्रों और पेशेवरों को इतने हजार या इतने लाख वीजा दे रहा है। इस बात पर भारत में लोग खुश होते हैं कि अमेरिका सबसे ज्यादा वीजा भारतीय छात्रों को दे रहा है। यह खुशी की नहीं चिंता और शर्म की बात होनी चाहिए कि हम हर सभ्य और विकसित देश के आगे वीजा के लिए हाथ फैलाए खड़े हैं या उसकी सीमा में अवैध रूप से घुसने के लिए जान दांव पर लगा रहे हैं। जब हम वीजा के लिए हाथ फैलाते हैं या अवैध रूप से किसी देश में घुसने का प्रयास करते हैं तो पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बेहद दयनीय प्रतीत होता है।

जब हम इस पर खुश होते हैं कि अमेरिका या ब्रिटेन हमारे छात्रों या पेशेवरों को इतनी संख्या में वीजा दे रहा है तो हम यह क्यों नहीं सोचते कि हम अमेरिका या ब्रिटेन के कितने छात्रों या पेशेवरों को वीजा दे रहे हैं? क्या भारत के किसी नागरिक ने कभी सोचा है कि कितने अमेरिकी, यूरोपीय, ब्रिटिश या ऑस्ट्रेलियाई नागरिक भारत में आकर बसना चाहते हैं, यहां की नागरिकता लेना चाहते हैं या यहां पढ़ना और काम करना चाहते हैं? **-शेष हाल-फिलहाल पेज पर**

पीडीपी का 370 हटाने के खिलाफ प्रस्ताव

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू कश्मीर विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ और पहले ही दिन जम कर हंगामा हुआ। असल में महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी के विधायक वाहिद पारा ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को खत्म करने के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। इसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया। कुछ विधायक वेल में भी पहुंच गए। गौरतलब है कि पहली बार जम्मू कश्मीर विधानसभा में भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर बैठी है।

भाजपा के 29 विधायक हैं और उनके अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ प्रस्ताव के विरोध में हंगामे के बाद स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने कहा कि उन्होंने अभी तक ऐसे किसी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- सदन 370 पर कैसे चर्चा करेगा। इसका फैसला कोई एक सदस्य नहीं लेगा। आज लाए गए प्रस्ताव का कोई महत्व नहीं है। अगर इसके पीछे कोई उद्देश्य होता, तो पीडीपी के विधायक पहले हमसे इस पर चर्चा करते। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- भाजपा से अनुच्छेद 370 को बहाल करने की उम्मीद करना मूर्खता है। हमें पता था कि 370 पर एक प्रस्ताव आने वाला है। वास्तविकता यह है कि जम्मू कश्मीर के लोग केंद्र सरकार के पांच अगस्त, 2019 फैसले को स्वीकार नहीं करते हैं। अगर उन्होंने इसे स्वीकार किया होता, तो आज नतीजे अलग होते।

कनाडा में हिंदू श्रद्धालुओं पर हमला

ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में गए लोगों पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला किया। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने निंदा की।

ओटोवा/नई दिल्ली ■

कनाडा में भारत विरोधी प्रदर्शनों के साथ साथ अब मंदिरों और हिंदू श्रद्धालुओं पर हमले भी तेज हो गए हैं। ब्रैम्पटन में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में गए लोगों पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला कर दिया। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी, डंडे बरसाए और लोगों को खदेड़ कर मारा। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

मंदिर और हिंदू श्रद्धालुओं पर हमले की इस घटना की कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। हालांकि ट्रूडो ने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने

खालिस्तान समर्थकों का जिक्र तक नहीं किया। इसे लेकर वहां की विपक्षी पार्टियों ने आलोचना की है।

बहरहाल, घटना के बाद से इलाके में तनाव है। भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। पील रीजनल पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने भी घटना को लेकर बयान जारी किया है। भारतीय उच्चायोग ने कहा- टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में भारत विरोधी तत्वों ने हिंसा की। हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए बेहद चिंतित हैं।

इस बीच कनाडा के ब्रैम्पटन में मंदिर में तोड़फोड़ और हिंदू श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की घटना पर भारत ने चिंता जताई है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- हम कट्टरपंथियों और अलगाववादियों की तरफ से हिंदू सभा मंदिर में फैलाई गई हिंसा की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा- हम कनाडा की सरकार से ऐसे सभी पूजास्थलों की रक्षा करने की अपील करते हैं। हमें उम्मीद है कि जो लोग इस हमले में शामिल थे, उन्हें सजा दी जाएगी। भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को सेवा के लिए मौजूद हमारे कांसुलर अधिकारी धमकी, उत्पीड़न या हिंसा से डरने वाले नहीं हैं।

केंद्रीय मंत्री रणवीर सिंह बिट्टू ने भी कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हमला की निंदा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रक्षी ट्रूडो ने लोगों को बांट दिया है। बिट्टू ने कहा- पिछले कुछ दिनों से जो खबरें आ रही हैं, वह किसी एक धर्म की नहीं हैं। चाहे हिंदू हों, सिख हों या कोई और ट्रूडो ने सभी को बांट दिया है।

सचिव व रोजगार सहायक ने मिलकर प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही के पैसों को बनाया अपना पैसा मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

अंगूठा लगवा कर निकाले पचास हजार पैसे मांगने पर दी जान से मारने की धमकी शिकायतकर्ता ने दर्जनों लगाई सीएम हेल्पलाइन नहीं हुआ निराकरण

दैनिक दैनिक पुष्पांजली टुडे
8269307478

शिवपुरी-/- पोहरी मनरेगा में

हुए लाखों रुपए के फर्जी बाडे में जिम्मेदारों पर की गई शिकायत फिर भी जिम्मेदार रहे मोन आखिर जिम्मेदार श्रीमती शकुन धाकड़ सचिव के सामने मूक दर्शक क्यों बने रहते हैं कौन है शकुन धाकड़ के पति के सामने बड़े-बड़े अधिकारी रहते हैं नत मस्तक ग्रामीण बताते हैं कि सचिव और मनरेगा संभाल रहे रोजगार सहायक मोहम्मद शरीफ खान के सामने जिला कलेक्टर हो या फिर जनपद सीईओ जैसे अधिकारी नतमस्तक रहते हैं यह बात हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि पूरी जनपद के ग्राम पंचायत मडखेड़ा आदिवासी बहुमूल्य पंचायत जिसमें आदिवासी सरपंच होने के बावजूद भी आदिवासियों को आज भी अपना हक नहीं मिल पा रहा है जब पुष्पांजली टुडे की टीम मडखेड़ा पंचायत पहुंची और वहां पर जाकर ग्रामीणों से बात की तो उन्होंने बताया कि किसी वर्ष तालाब निर्माण के नाम पर मस्टर डालकर साढे चार लाख रूपए निकाल लिए गए जिसमें से किसी भी मजदूर को आज दिनांक तक ?2 तक नहीं दिए गए जब भी मांगने की बात आती है तो सचिव कहते हैं कि मेरे पास आने को लठ है निकल जाओ नहीं तो तुड़वा के निकाल दूंगा ग्राम पंचायत मडखेड़ा में चल रहा है प्रधानमंत्री आवास में हो रहे भ्रष्टाचार जिम्मेदार क्यों मोन यह बात हम इसलिए कह रहे हैं कि ग्राम पंचायत मडखेड़ा जनपद पंचायत पोहरी में चल रहे प्रधानमंत्री आवास के कामों में आदिवासी बहुमूल्य पंचायत जिम आदिवासियों से पैसा निकलवा कर अंगूठा लगाकर सचिव और रोजगार सहायक पैसे का हरण करते हैं और उसके बदले में घटिया सामग्री तक पहुंचा देते हैं उन्हें बताया कि हमारे पैसे निकाल लिए गए हमें बताया गया कि हमारा प्रधानमंत्री आवास आया है और हम जब पहुंचे तो हमारा अंगूठा लगवा लिया और हमसे कह दिया कि पैसा निकल गया है आपके घर पर समान पहुंच जाएगा लेकिन समय बीतने के बाद आज दिनांक तक कोई भी सामान हमारे तक नहीं पहुंचा है नहीं हमें पैसे मिले हैं बात करने पर हमें जान से मारने की धमकी मिलती है दबंग सचिव शगुन धाकड़ के पति कहते हैं कि हम कलेक्टर तक को पैसा देते हैं हमारा कुछ नहीं कर सकतें

दिवाली पर पटाखे चलने से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली के दिन और उसके अगले दिन भी दिल्ली में खूब पटाखे चलाए जाने को लेकर नाराजगी जताई है। इस मामले में सर्वोच्च अदालत ने कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होने पर दिल्ली सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि राज्य में पटाखों पर पाबंदी का मुश्किल से ही पालन हो सका। कोर्ट ने कहा कि कुछ ऐसा करना होगा ताकि अगले साल दिवाली के दौरान पटाखों पर प्रतिबंध के आदेशों का उल्लंघन न हो।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि पाबंदी का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कैंपस सील करने जैसी सख्त कार्रवाई की जरूरत है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त से पटाखों पर प्रतिबंध लागू करने के लिए उठाए गए कदमों पर एक हफ्ते में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी।

सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत की मदद कर रहे एमिकस क्यूरी ने बताया कि दिवाली के समय खेतों में आग लगने की घटनाएं बहुत ज्यादा होती हैं। दिवाली से एक दिन पहले 160 खेतों में आग लगी थी, जबकि दिवाली के दिन यह संख्या 605 हो गई। प्रदूषण का प्रतिशत 10 से बढ़कर लगभग 30 हो गया था। इसके बाद बेंच ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से अक्टूबर के आखिरी 10 दिनों के दौरान खेतों में आग लगने और पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने पर 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार हलफनामा दाखिल करते समय यह भी बताएगी कि क्या राज्य की सीमा के भीतर खेतों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं।

कोलकाता बलात्कार, हत्या कांड में आरोप तय

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार के बाद हत्या किए जाने के मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए हैं। पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय किए। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी। हालांकि सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर नजर आया और कहा कि कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है।

इमानदारी व परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता हैः सी. आर. चौधरी

गोपाराम पंवार चौथी बार लगातार समिति के पुनः अध्यक्ष मनोनीत

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

जोधपुर। सीरवी शिक्षा विकास समिति राज. की 39वीं आमसभा मय दीपावली स्नेह मिलन समारोह भाईदूज, रविवार को हरिगढ़ विलेज रिसोर्ट, झालामण्ड जोधपुर में सी. आर. चौधरी, ऐकेडमिक हेड, ऐलेन कोटा के मुख्य आतिथ्य में व समिति अध्यक्ष गोपाराम चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सी आर चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए इमानदारी के साथ समर्पण भाव से कड़ी मेहनत करके मुश्किल से मुश्किल काम को आसान बना सकते हैं, इसके लिए मन में एक जूनून जगना आवश्यक होता है, इस समारोह में समाज के इंजीनियरिंग व मेडिकल सेवा से सेवानिवृत्त व वर्तमान में सेवारत सामाजिक बंधुओं का परिवार सहित दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समर्पण भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले व समाज व अपने अपने क्षेत्र में नाम रोशन करने वाले इंजीनियरों व डाक्टर्स का सपत्नीक मान-सम्मान किया गया। 1991 से 52 जरुरतमंदों को अबतक 26.00 लाख रुपए की सहयोग उपलब्ध करवायी गयी थी इस बार सहयोग को लेकर अप्रत्याशित रूप से वृद्धि

कर 35000 रू. से बढ़ाकर 50000 रु. वार्षिक का करने के निर्णय के तहत 4 पुराने व 2 नये आवेदनों के लिए 03.00 लाख रु. की स्वीकृति जारी की गयी। रुपाराम राठौड़, चुनाव अधिकारी के पास निर्धारित समय दोपहर 12.30 बजे तक, यहां तक की दोपहर बाद 02.30 बजे तक भी कार्यकारिणी गठन को लेकर एक दिवसीय नामांकन प्रक्रिया के तहत किसी भी उम्मीदवार ने, किसी भी पद के लिए उम्मीदवारी नहीं जताई तो आमसभा ने वर्तमान अध्यक्ष की सहमति से समिति की कार्यकारिणी के कार्यकाल में दो साल की वृद्धि का निर्णय लिया गया तथा समिति में नये सदस्यों को, जिसमें महिलाओं की संख्या भी अधिक रहे, को अधिक से अधिक सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए विशेष अभियान के तहत सभी मिलकर कार्य करेंगें। इस स्नेह मिलन समारोह में समिति उपाध्यक्ष अंजु भायल, जोधाराम राठौड़, डॉ. आशाराम सोलंकी, गोपाराम काग, जेठाराम सोलंकी, दुर्गाप्रसाद परिहार, डॉ. गोपीलाल राठौड़, प्रेमसिंह भायल, मनीष मुलेवा, प्रदीप राठौड़, हीरालाल परिहार, डॉ. नवीन सेणचा, डॉ. रमेशचन्द्र सीरवी, डॉ. दिनेश सोलंकी, डॉ. देवेन्द्र काग, जस्साराम राठौड़ व मांगीलाल पंवार, डॉ प्रकाशचंद्र काग, विनोद चौधरी सहित काफी तादाद में महिलाएं, पुरूष व बच्चे उपस्थित रहे।

रतनगढ़ माता मंदिर की दान पेटी की गिनती शुरू, 3 सेक्टर में 225 कर्मचारियों सहित तहसीलदार एवं नायव तहसीलदार ड्यूटी पर तैनात

इंदरगढ़। सेवड़ा अनुभाग के रतनगढ़ माता मंदिर पर भाई दूज के दिन लगने वाले विशाल मेले में 32 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां दर्शन किए थे,लख्खी मेले वाद आज मंगलवार को दतिया कलेक्टर के निर्देश पर सेवड़ा एसडीएम अशोक अवस्थी द्वारा रतनगढ़ माता मंदिर की दान पेटीयो की गिनती कराई जा रही है, इसमें इंदरगढ़ एवं सेवडा के तहसीलदार और नायव तहसीलदार पटवारी सहित पंचायत सचिव व 225 कर्मचारी गिनती कर रहे हैं, देर शाम या कल तक आंकड़े मिलने की संभावना है, इस बार रतनगढ़ माता मंदिर पर दूज मेले में भक्तों द्वारा कितना दान प्राप्त हुआ है।

डिफेन्स पेंशनर के लिए स्पर्श जागरूकता कार्यक्रम

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

रक्षा पेंशनर्स जागरूकता एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन जिला सैनिक बोर्ड इंदौर में 8 नवंबर 2024 को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा । शिविर का आयोजन रक्षा लेखा मुख्य नियंत्रक (पेंशन) प्रयागराज, रक्षा लेखा नियंत्रक (जबलपुर), जिला सैनिक बोर्ड इंदौर एवं स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सेना) मऊ से श्री भानु बमनका ने बताया कि पेंशन जागरूकता एवं शिकायत निवाकरण शिविर में लाभार्थीयों को पेंशन प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए स्पर्श सेवाओं का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही शिविर के दौरान संबंधित अधिकारी पेंशन संबंधी समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण करेंगे । उन्होंने रक्षा पेंशनरों से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की ।

श्री संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज का 754 व जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है

अनुज सिंह ठाकुर की ब्यूरो रिपोर्ट

पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ इस वर्ष भी संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज का 754वां जन्मोत्सव एवं सत्यनारायण कथा एवं सुन्दरकाण्ड पाठ बड़ी ही भव्यता से दिनांक 11नवंबर एवं 12नवंबर को आयोजित किया जा रहा है जिसमे सभी को आमंत्रण पत्र देकर किया आमंत्रित जिसमे सभी उपस्थित सादर अपेक्षित है श्री सत्यनारायण नामदेव समाज अध्यक्ष दीपक नामदेव पटवारी महामंत्री दीपक नामदेव गब्बू कोषाध्यक्ष अशोक नामदेव प्रबंधक मनोहर लाल नामदेव संयोजक दीपक नामदेव वरि उपाध्यक्ष हरिश्चंद नामदेव उपाध्याय विनोद नामदेव पेशकार कनिष्ठ उपाध्याय राकेश नामदेव रोंडा प्रबंधक रोहित नामदेव मंत्री रामकुमार नामदेव शिक्षा मंत्री अनूप नाम देव संगठन मंत्री अवधेश नामदेव सह शिक्षा मंत्री श्री राम नामदेव प्रचार मंत्री बालकिशन नामदेव सह प्रचार मंत्री उमाशंकर नामदेव सह मंत्री नितिन नामदेव शिक्षा मंत्री संजीव नामदेव विधि सलाहकार हरिशंकर नामदेव सह विधि सलाहकार प्रमोद नामदेव ऑडिटर संदीप नामदेव उपकोसाध्यक्ष शिवकांत नामदेव सह संगठन मंत्री राजीव नामदेव सिंगरौली मीडिया प्रभारी अजय नामदेव पत्रकार सांस्कृतिक मंत्री मुकेश नामदेव गोल्डी एवं समस्त जिला एवं नगर नामदेव समाज ललितपुर।

प्रसन्नता धन से नहीं सत्संग से प्राप्त होती है : आचार्य हेमंत कृष्ण

ललितपुर। श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस मंगलवार को आचार्य हेमन्त कृष्ण महाराज ने कहा कि प्रसन्नता और शांति धन सापेक्ष नहीं है, विचार सापेक्ष है। बिना ईर्ष्या त्यागे कथा का भाव समझ में नहीं आ सकता है । श्रीमद्भागवत को वेद रूपी वृक्ष का फल बताते हुए महाराज श्री सदैव कथा को पीने के लिए लोगों को पिता का अनादर करने वाला पुत्र कभी शांति प्राप्त नहीं कर सकता। माता पिता पृथ्वी के प्रत्यक्ष भगवान हैं इनकी आराधना के बाद ही आप अन्य पूजाओं का फल प्राप्त कर

प्रसन्नता आपको सत्संग से ही प्राप्त होगी। संसार केवल जीते जी का साथी है, और परमात्मा आपका साथ कभी नहीं छोड़ेंगे। यह विचार श्रीजी कुंज कॉम्पलेक्स डोंडाघाट, तालाबपुरा परिसर में आयोजित हो रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत बरसाना से आए आचार्य हेमंत कृष्ण जी महाराज ने व्यक्त किए। महाराज जी ने सत्य पर चर्चा करते हुए कहा कि जिसके जीवन में सत्य है वहीं धर्म और विजय होती है। प्रेरित किया। श्री शुकदेव जी के जन्म का मार्मिक वर्णन करते हुए महाराज जी बोले कि शुकदेव जी महाराज जन्मसिद्ध साधु हैं, माया का प्रभाव उनके जीवन में नहीं है।सत्य के विषय में चर्चा करते हुए महाराज जी बोले जहां सत्य है वहीं सत्यनारायण का वास है। आप सत्यव्रती रहिए तो आपका हृदय श्री कृष्ण को पसंद आएगा। माता पिता के आदर के विषय पर बोलते हुए महाराज जी ने कहा कि अपने माता पाओगे। श्री कृष्ण की करुणा का वर्णन करते हुए महाराज जी ने कहा कि द्रोपदी ने श्री कृष्ण को जब याद किया और श्री कृष्ण ने भरी सभा में आकर द्रोपदी की अस्मिता की रक्षा की इस करुण प्रसंग को सुनकर उपस्थित श्रोता समाज भावुक होकर जय जयकार करने लगा। आयोजन में श्रीमती गीता प्रभुदयाल तामियां, श्रीमती प्रिया अजय तामियां, श्रीमती निशी नीलांश तामियां, श्रीमती रितु विराज तामियां के अलावा रामस्वरूप तामियां, सीताराम तामियां, जगदीश तामियां, एड. राजेन्द्र तामियां, महेश तामियां, विनोद तामियां, मनीष तामियां रहे। जबकि व्यवस्था में सहयोगी के रूप में श्री रामलीला हनुमान जयन्ती महोत्सव समिति और श्री भारत सेवा मण्डल व्यायामशाला शामिल रहीं। इस कथा को सफल बनाने के लिए मनोरथी श्रीमती कविता राकेश तामियां ने लोगों से आह्वान किया है कि इस भव्य और दिव्य आयोजन में भागीदारी कर इसे सफल बनायें। इस दौरान पं.बृजेश चतुर्वेदी, श्यामकान्त चौबे, पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा, अजय प्रताप सिंह तोमर, डा.प्रबल सक्सेना, हरविंदर सलूजा, प्रभुदयाल तामिया, शिवकुमार शर्मा, अमित तिवारी, राजेश दुबे, अजय तामियां, अवधेश कौशिक, राजेंद्र ताम्रकार, चंद्रशेखर राठौर, धर्मेंद्र चौबे, विराज तामिया, मुन्नालाल त्यागी इत्यादि के अलावा सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। उक्त श्रीमद् भागवत कथा का सीधा प्रसारण आचार्य हेमन्त कृष्ण ऑफीशियल के यू-ट्यूब चैनल पर किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर हुई मैराथन दौड़

पुलिस अधीक्षक की अगवाई में दौड़े बच्चे और कर्मचारी

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत 05 नवंबर को जिला पुलिस बल के द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से डीआरपी लाइन स्थित शहीद स्मारक तक मैराथन दौड़ का आयोजन प्रातः 8:30 से किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री मीणा ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री मीणा ने बच्चों को मध्य प्रदेश की स्थापना के इतिहास की जानकारी देकर स्थापना दिवस की बधाई दी। इस मैराथन दौड़ में लगभग 500 बच्चे एवं खिलाड़ी, कर्मचारी, शिक्षक एवं पुलिसकर्मी सम्मिलित हुए। उक्त आयोजन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग एवं शिक्षा विभाग का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर डीएसपी वर्षा सोलंकी, सूबेदार श्री मुकेश हायरी, महिला थाना प्रभारी श्री करण सिंह परमार, ट्रैफिक थाना प्रभारी रमेश सोलंकी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कानूडे, सहित विभिन्न संस्थाओं के प्राचार्य व शिक्षक आदि उपस्थित थे।

म.प्र. कौमी एकता विकास परिषद ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह की जयंती मनाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश कौमी एकता विकास परिषद ने शहर के उषा कालोनी में पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह दाऊ साहब की फोटो के समक्ष एकत्रित होकर केक काटकर जन्म जयंती मनाई । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता हनीफ खान ने की। जयंती समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह के द्वारा जनहित में किये गए कार्यों को याद करते हुए उनके विचारों के पर चर्चा की गई ।समाजसेवियों द्वारा गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि दाऊ साहब एक सहज,सरल,दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी होकर उन्होंने जीवन पर्यन्त किसान,गरीब,सर्वहारा वर्ग के लिए कार्य किया,उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी प्रेरणादायी हैं। जयंती समारोह में मुख्य रूप से कांग्रेस जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद,कांग्रेस मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी,एडवोकेट देवेंद्र सिंह नरवरिया,भागीरथ सिंह कुशवाहा,डॉ. लज्जाराम सिंह यादव,हनीफ खान फूफ,सिकंदर खान,वाहिद अली, इन्नी खान,जाहिद खान,असलम वारसी,इसाक खान गांधी, हमीद खान परा,साविज खान फूफ, कल्लू खान फूफ सहित कई लोग उपस्थित रहे।

अपना शहर स्वच्छ बनाने के लिए सभी को पहल करनी चाहिए - सुनील वाल्मीकि

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । नगर पालिका अध्यक्ष भिंड प्रतिनिधि सुनील वाल्मीकि के द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक नंबर 1 नक्षत्र वाटिका भिंड में स्वच्छता को लेकर अधिकारियों से बातचीत की और कड़े निर्देश दिए,एवं नक्षत्र वाटिका में जाकर निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि आओ सब मिलकर अपना शहर स्वच्छ बनाएं ना कचरा फेंकेगे ना फेंकने देंगे,जिसमें मुख्य रूप से भिखारी लाल,श्याम प्रकाश दुबे,सुनील वाल्मीकि,योग प्रशिक्षक सिया सारण गुप्ता,सफाई कर्मचारी विवेक सतीश,मैजिक ड्राइवर रघुवीर, दरोगा महेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

नपा परिषद ने पूर्व विधायक रघुवीर सिंह की पुण्यतिथि मनाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । नगर पालिका भिंड परिसर में पूर्व विधायक स्वर्गीय रघुवीर सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पुण्यतिथि मनाई । पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्य रूप से नगर पालिका भिंड अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील वाल्मीकि, नपा उपाध्यक्ष भानू सिंह भदौरिया, सीएमओ यशवंत वर्मा एवं समस्त पार्षदगण उपस्थित रहे ।

रामभक्तों ने बड़ी माता मंदिर से अयोध्या तक पैदल यात्रा शुरू की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । ग्राम पंचायत जामपुरा के नवयुवकों ने बड़ी माता मंदिर जामपुरा से अयोध्या तक की पदयात्रा प्रारंभ की,रामभक्तों ने शहर के श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर आकर बजरंग बली से आशीर्वाद लेकर श्री राम के जयकारों के नारे लगाते हुए श्री अयोध्या धाम की पैदल यात्रा का शुभारंभ किया।पदयात्रा में हरिओम सिंह भदौरिया (ओम),यशराज सिंह भदौरिया,अमन सिंह भदौरिया,राज सिंह भदौरिया,सुभाष सिंह भदौरिया है।

जनसुनवाई में सुनी 36 आवेदकों की समस्याएं

अधिकारियों को दिये निराकरण करने के निर्देश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 05 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 36 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। मोबाइल एप में समस्या आने पर लाड़ली बहना योजना की राशि आना बंद हो गई है। जनसुनवाई में बामन्दा निवासी शिवकन्या पति रविंद्र ने बताया कि सितंबर 2024 तक लाडली बहना योजना की राशि मिलती थी किंतु दुर्भाववश किसी के द्वारा मेरे मोबाइल पर लाभ त्याग का प्रयोग कर मुझे योजना से बाहर कर दिया है। जिस पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने उक्त आवेदन को सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज करते हुए तत्काल महिला एवं बाल विकास को निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में बिस्टान के भारती शिशु मंदीर के संचालक ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि नगर पंचायत बिस्टान द्वारा विद्यालय के मुख्य द्वार के दोनों और चार माह पूर्व नाली का निर्माण किया था जिसे अब तक ढका नहीं गया। जिस पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने बिस्टान नगर परिषद सीएमओ को फोन कर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जनसुनवाई में विकासखण्ड सेगांग के ग्राम ढालकी निवासी दिनेश पिता शोभाराम पाटीदार ने आवेदन प्रस्तुत कर उनके खेत के पास की चरणोई की भूमि पर अन्य कृषक द्वारा अवैध अतिक्रमण की शिकायत लेकर आया था। इस मामले में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौड़ ने तहसीलदार सेगांव से चर्चा कर तत्काल जांच कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

धूमधाम से मनाया गया गंगा उत्सव, भव्य गंगा आरती के साथ हुए सांस्कृतिक और जागरूकता कार्यक्रम

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट

पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रलाय द्वारा गंगा नदी को भारत की ÷राष्ट्रीय नदी÷ घोषित किये जाने के उपलक्ष्य में जिला गंगा समिति व सामाजिक वानिकी प्रभाग द्वारा गंगा उत्सव का कार्यक्रम वृहद स्तर पर मनाया गया।पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय में गंगा उत्सव के उपलक्ष्य में माँ गंगा के चित्र के समक्ष ह्रष्ट्र कैडेट ने मार्च पास्ट कर सलूट दिया। इसके बाद कॉलेज की छात्राओं ने मनमोहक रंगोली और पोस्टर बनाकर जागरूकता का सन्देश दिया। महाविद्यालय सभागार में परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे ने सभी ने माँ गंगा और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ रखने के लिए गंगा शपथ दिलाई। तत्पश्चात मौजूद ललितपुर रेंज अधिकारीयों सहित कॉलेज स्टाफ व छात्राओं ने गंगा शपथ पोस्टर पर हस्ताक्षर कर जागरूकता अभियान में अपनी सहमति प्रकट की। इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी भोला प्रसाद सिंह, प्राचार्य डॉ सूफिया, प्रीति शुक्ला, साधना नांगल, रंजना श्रीवास्तव, रत्ना याज्ञिक, आरती बुंदेला सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

सायकाल मुख्य कार्यक्रम रणछोड़ धाम पर गंगा की

सहायक नदी बेतवा के घाट पर आयोजित किया गया। वैदिक मंत्रोचारण द्वारा पूजन उपरांत भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। गंगा आरती से माहौल भक्तिमय हो गया। आरती में शामिल होने के लिए आसपास के कई गाँव से भक्तजन इकट्ठा हुए। आरती के उपरांत सभी ने दीपदान किया। दीपकों की रौशनी से पूरा बेतवा तट जगमगा उठा। छोटे ठाकुर ग्रुप की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जन समूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूरदर्शन कलाकार मनमीत ठाकुर द्वारा प्रस्तुत गीत ÷जल जीवन सफल बनाने है, तो अपनी नदियन खो प्रदुषण मुक्त कराने है% ने श्रोताओं की खूब वाह वाही बटोरी। इस अवसर पर प्रभागीय निदेशक गौतम सिंह ने कहा कि 2017 से गंगा उत्सव का आयोजन समूचे देश में किया जाता आ रहा है। मनुष्यों के लिए नदियाँ प्रकृति का वरदान है। अपनी नदियों को प्रदुषण से मुक्त करने के लिए सभी को एक साथ आकर साँझा प्रयास करना होगा। कार्यक्रम में उप प्रभागीय वनाधिकारी महरौनी सतेन्द्र तोमर, क्षेत्रीय वनाधिकारी भोला प्रसाद सिंह, परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे, समस्त रेंज अधिकारी ललितपुर, कृष्णानंद महाराज, पं कैलाश शास्त्री, पं सत्यनारायण तिवारी, पं रामनरेश भंडारी, धौर्रा प्रधान धीरज सिंह, भारोन प्रधान ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे।

ललितपुर नगर पालिकाध्यक्ष का पालिका कार्यालय में न आने से पार्षद नाराज

अनूप सिंह ठाकुर के साथ अमित रजक की रिपोर्ट

नगर पालिकाध्यक्ष कार्यालय में नहीं बैठती है, जिस कारण से नगर की जन समस्याओं का निस्तारण नहीं किया जा पा रहा है। नगर पालिका कार्यालय में अध्यक्ष महोदया के परिजन आकर सरकारी पत्रावलियों का अवलोकन करते हैं एवं सरकारी कार्यों में हस्तक्षेप करते हुये सरकारी पत्रावलियों को कार्यालय से बाहर ले जाते हैं, जिसे रोका जाना अत्यन्त आवश्यक है। है कि नगर पालिका कार्यालय में अध्यक्ष महोदया के परिजनों के आने पर रोक लगायी जाये एवं पालिकाध्यक्ष महोदया को निर्देशित किया जाये कि पालिका कार्यालय में प्रतिदिन बैठ कर जन समस्याओं का निस्तारण करें, जिससे आम जनमानस की शिकायतों का समय से निस्तारण हो सके।

संपादकीय

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा। लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है। संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच–नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है। महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।

गांवों को भी स्मार्ट गांव में तब्दील किया जाए

संजीव ठाकुर

आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है।

विदेश की तरह भारत में भी अनेक शहरों को स्मार्ट सिटी का दर्जा देकर सारी सुविधाएं दी जा रही है हमें अब चाहिए कि गांव को भी स्मार्ट गांव में तब्दील उसे विकास की मुख्य धारा में लाया जाए। विदेशी गांवों की तर्ज पर ही भारत देश के गांव के भी विकास की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सकेस जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकेस और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे–बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है। पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के गांवों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती हैस यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी,भोजन,घर आदि की उपलब्धता के साथ–साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा,शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों समी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान–प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाई यों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा ।इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा। देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा ।परंतु इस नई परियोजना को मूर्त रूप देने में कई विघ्न बाधाएं एवं चुनौतियां भी हैं। जनता निर्विवाद रूप से कठिनाइयों से निपटने के बाद ही सपनों के शहर को बस बसाना आसान होगा। इन प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देकर अपना योगदान दें, तो निश्चय ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्मित हो सकेगी। और आम नागरिकों को जन सुविधाओं के साथ भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा।

पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण से होता बुरा हाल

दीपावली के बाद बड़े मेट्रोपॉलिटन शहरों जैसे दिल्ली,मुंबई,कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद जैसे शहरों में पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण का स्तर काफी ऊंचा हो गया है। मेरा कतई यह आशय नहीं है कि हमें दीपावली नहीं माननी चाहिए जरूर माननी चाहिए, जोर जोर से मनानी चाहिए एवं संपूर्ण धार्मिकता तथा आस्था के साथ बनाना चाहिए। दीपावली मुख्यतः दीपों और रोशनी का का पवित्र त्यौहार है पर उसके दूसरे पहलू में अंधाधुंध पटाखे और बम फोड़ने से होते प्रदूषण पर भी हमें ध्यान रखना होगा एवं इसके उपचार के लिए सदैव प्रयासरत भी होना होगा। दिल्ली वैसे भी देश और दुनिया का सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना जाता है इसके बाद कोलकाता तथा मुंबई का नंबर भी आता है पटना शहर की जनसंख्या एवं घरों की बसाहट अधिक होने से वाहन प्रदूषण की स्थिति अत्यंत कमजोर है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा की भारत जैसे विकासशील देश को नितांत आवश्यकता है। जहां देश के वार्षिक बजट का बड़ा हिस्सा पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने हेतु खर्च किया जाता है। अपने देश में दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहर हैस इसके बाद अनेक राज्यों की राजधानियां भी प्रदूषण में एक दूसरे को टक्कर दे रही है,दिल्ली मे तो प्रदूषण बेचारा केंद्र और राज्य की राजनीति का शिकार हो गया है ,दिल्ली प्रशासन और केंद्र शासन एक दूसरे पर पर्यावरण तथा यमुना नदी के प्रदूषण पर आरोप–प्रत्यारोप कर रहे हैं पर प्रदूषण कम करने के उपाय ऊपर हाथ में हाथ धरे बैठे हैं ।अमूमन यही स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है। वर्तमान में वृहद चिंतन की आवश्यकता है कि पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा है कैसे जन्म लेंगी? उसमें गहन चिंतन विभिन्न मानव प्रजातियों के आर्थिक तथा पर्यावरण संतुलन को लेकर भी हैस इस विषय पर एक खुली बहस की आवश्यकता हैस खुली बहस इसलिए भी कि मनुष्य के जीवन के लिए जितना आवश्यक पर्यावरण संतुलन है उतना ही आवश्यक उसका आर्थिक विकास भी हैस अब ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे को देखकर पर्यावरण संतुलन को आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैस बढ़ते असमान आर्थिक विकास तथा उपभोक्तावादी प्रकृति ने जहां सामाजिक विभेद की दरार को चौड़ा कर दिया है वही विश्व स्तर पर विस्तारवाद तथा उपनिवेशवाद को बढ़ावा भी मिला हैस राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव के इस बड़े स्तर को आर्थिक विकास तथा पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना नदी के दो अलग किनारों को जोड़ने जैसा ही हैस विकास की दौड़ में जहां मनुष्य जीवन के इस व्यस्तता में थककर वापस प्रकृति की ओर उन्मुख होना चाहता हैस शहरी मनुष्य प्रकृति की शीतलता, हरियाली और खुली स्वच्छंद हवा में सांस लेने के लिए उत्सुक है और कल्पना करता है कि गांव में जीवन कितना सुमधुर और स्वच्छंद आनंदमई है, इसकी दूसरी तरफ ग्रामीण जंगली इलाकों के रहने वाले लोग कल्पना करते हैं कि शहर में कितनी सुविधाएं हैं जो जीवन जीने को एकदम सरल एवं आसान बनाती है। यह द्विपक्षीय लालसा शहर में रहने वाले और ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के बीच बराबर की है, हमें इनके आपसी संतुलन को बनाए रखना और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ते सोपान के साथ बढ़ावा देना हैस यूरोपीय देशों में कई देशों ने इसके उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहां आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई हैस इसके लिए हमें उपभोक्तावादी संस्कृति को नियंत्रित कर नागरिकों को पर्यावरण के संतुलन के प्रति जागरूक करना होगास टेक्नोलॉजी के स्तर पर पर्यावरण अनुकूल साधनों का ऊर्जा स्रोत ग्रीन तकनीक, हरित भवन, कार्बन न्यूट्रल वाहनों की तरफ उनके नियंत्रण पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों पर ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक विज्ञान से देसी ज्ञान के साथ शिक्षित भी करने की आवश्यकता होगीस पर्यावरण किसी भी परियोजना को स्थापित करने के पूर्व पर्यावरण आकलन करने की आवश्यकता है ही इसके साथ ही समाज में पड़ने वाले प्रभाव को देखने के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन को भी मूर्त रूप देना होगास इस संतुलन को बनाने हेतु भविष्य की नीति बनाने की आवश्यकता होगी साथ ही हमको यह भी समझना होगा कि पर्वतों को मिटाने से नदियों को बांधने व जंगलों को काटने से विकास संभव नहीं हैस पर्यावरण संतुलन और विकास को केवल आर्थिक विकास की श्रेणी में न रखकर समग्र रूप से सामाजिक, पर्यावरणीय संस्कृति के नैतिक रूप से समझने की आवश्यकता होगीस इस पर्यावरण तथा आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें सर्वहारा वर्ग के हर व्यक्ति के लिए जीत सुनिश्चित करनी होगी जिसमें किसी को नुकसान ना हो एवं आम व्यक्ति पीछे ना रह जाए। यह अवधारणा यदि किसी भी समाज देश में व्याप्त होगी तभी आर्थिक विकास का पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित हो सकता है,इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा है प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है व्यक्ति की लालच को पूरा करने के लिए नहीं। निर्दोष, निर्मल प्रकृति के दोहन के साथ ही मनुष्य के समाज ने अत्यधिक शोषण किया है,प्रकृति के विनाश के साथ आर्थिक विकास लंबे समय तक नहीं चल सकता हैस यह बात जितने जल्दी मनुष्य को, देश और पूरे विश्व समुदाय को जितनी जल्दी समझ में आ जाए उतना ही आर्थिक तथा पर्यावरण के संतुलन के विकास के लिए शुभ संकेत होंगेस आर्थिक विकास के वर्तमान संदर्भ को देखें तो यह बात बड़ी विचित्र किंतु सत्य प्रतीत होती है कि जब एक समुदाय को कुर्बान करने के लिए दूसरे समुदाय को लाभ पहुंचाया जाता है आर्थिक विकास के लिए योजनाएं कहीं बनती हैं, विस्थापित लोग कहीं और होते हैं और बिजली और अन्य सुविधाएं किसी अन्य जगह से आती है, जिसके परिणाम स्वरूप आर्थिक और पर्यावरण के संतुलन में अनेक विसंगतियां जन्म लेती हैं, और इससे सामाजिक आर्थिक संतुलन भी बिगड़ने की संभावना बलवती होती हैस मनुष्य की स्पृहा, कामना और लालच के सामने प्रकृति भी निरुत्तर होती दिखाई दे रही है। प्रकृति के समर्पण में जो विसंगतियां और दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहे हैं उनमें जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, बढ़ते ओजोन छिद्र ,बढ़ता जलवायु परिवर्तन, पिघलते ग्लेशियर तथा बढ़ता समुद्री जल हम सबके लिए नई समस्याओं को जन्म देने का काम कर रहे हैंस आपको ऐसा नहीं लगता कि हमारे प्रकृति विरोधी कर्मों से हमारे जीवन का अस्तित्व ही खतरे में आने लगा हैस इसी तरह के अनेक आसन में खतरों से निपटने के लिए आर्थिक विकास के नए मॉडलों को पर्यावरण के संतुलन के साथ जोड़ने का विकल्प हम सबके लिए एक जीवन उपयोगी मार्ग बनता नजर आ रहा हैस प्रकृति के असंतुलन दोहन का सर्वोत्तम उदाहरण यूरोप के विकसित देश है जिनकी पर्यावरण असंतुलन के प्रति उदासीनता की भयावह कीमत विकासशील तथा समुद्री क्षेत्रों में सीमावर्ती तथा अल्प विकसित देशों को चुकानी पड़ रही हैस हमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को पर्यावरण संतुलन बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से कारगर उपाय खोज कर संपूर्ण विश्व को ग्लोबल वार्मिंग और इसके गहरे परिणामों से सुरक्षित रखना होगा, विशेषकर उन अल्प विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों को जिनकी जनसंख्या अग्रणी देशों में गिनी जाती है. पर्यावरण संतुलन तथा आर्थिक विकास के ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं है।

भारत–कनाड़ा विवाद में तीसरी भूमिका

प्रेम शर्मा

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के बीच जारी कूटनीतिक विवाद और गहराता जा रहा है। पिछले दिनों कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मारीसन की तरफ से इस मामले में संसदीय समिति की एक सुनवाई के दौरान भारत के गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए जाने को भारत ने बेहद गंभीरता से लिया है। इस मामले में एक दिन पहले कनाडा के भारतीय उच्चायोग के प्रतिनिधि को विदेश मंत्रालय में समन कर भारत ने कड़ा रोष जताया। विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में एक राजनयिक नोट भी सौंपा है। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि मौजूदा ट्रूडो सरकार राजनीतिक एजेंडे के तहत काम कर रही है और वह जो कदम उठा रही है उससे दोनों देशों के रिश्तों पर गहरा नकारात्मक असर होगा। कनाडा बेवजह भारत की छवि धूमिल करने में जुटा है।पिछले साल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत के एजेंट शामिल थे। इस विवाद की वजह से दोनों देश एक दूसरे के कुछ राजनयिकों को निकाल चुके हैं। कनाडा और भारत विवाद में तीसरी भूमिका इसलिए दिखाई पड़ती है क्योंकि अभी इस विवाद के कारण माहौल गर्माया ही था कि इस बीच अमेरिका के न्याय विभाग ने एक हत्या की साजिश रचने के मामले में कथित भारतीय सरकारी कर्मचारी विकास यादव पर आरोप तय कर दिए हैं। न्याय विभाग ने बताया कि विकास यादव के साथ कथित तौर पर हत्या की साजिश में शामिल एक और व्यक्ति 53 वर्षीय निखिल गुप्ता को पहले ही अमेरिका को प्रत्यर्पित किया जा चुका है. अमेरिका का कहना है कि विकास यादव फरार हैं। यही नही इस मामले में चीन के सरकारी अखबार ने जिस तरह के बयान जारी किए है उससे भी यह आभास होता है कि चीन का रवैया इस मामले में सुस्पष्ट नही है। इसलिए कनाड़ा भारत के बीच इस विवाद से इन दोनों देशों को क्या फायदा होगा यह भी विचारणीय है। अगर आपको कुछ दिन पहले की बात याद हो, तो अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने भी कहा था कि भारत को कनाडा के साथ सहयोग करना चाहिए। यही बात यूके के फॉरेन मिनिस्ट्री ने भी दोहराई। फाइव आइज के सदस्य अमेरिका और यूके भारत को कह रहे हैं कि आप सहयोग करें। इसका मतलब ये है कि ये मामला सिर्फ कनाडा की घरेलू राजनीति का नहीं है, बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी गंभीरता से लिया जा रहा है। सिख अलगाववाद का मुद्दा केवल कनाडा तक सीमित नहीं है। याद करे कि 1985 में एयर इंडिया बम धमाके के बाद भी भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आई थी। कना डा ने कई बार ऐसे मामलों में दोषियों को भारत को सौंपने से इंकार किया है। ऐसा ही मामला यूके में भी है, जहां भारत ने एक लिस्ट दी थी, जिसमें कई वांटेड लोग थे, लेकिन यूके ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। तो ये मुद्दा केवल कनाडा तक सीमित नहीं है। बल्कि यूके, पाकिस्तान, और कई अन्य जगहों पर भी फैला हुआ है। कनाडा से जुड़े मामले को फाइव आइज देश अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, और न्यूजीलैंड ने चिंताजनक स्थिति बताया है। हालांकि कई देश बिना भारत का नाम लिए कनाड़ा के पक्ष में है जो भारत के लिए चिन्ताजनक है। ऐसे में भारत के सामने कनाड़ा में रहने वाले भारतीय एवं व्यापार को देखते हुए बड़े ही सर्तक तरीके से इसका हल निकालना होगा। कनाडा में भारतीयों की संख्या करीब 18 लाख है और कनाडा की आबादी में भारतीयों की हिस्सेदारी 5 फीसदी के करीब है। साल 2011 में कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की संख्या 18 लाख थी। साल 2013 से 2023 के बीच कनाडा में प्रवास करने वाले भारतीयों की संख्या 32,828 से बढ़कर 139,715 हो गई है. यानी, इस अवधि में भारतीयों की संख्या में 326 फीसदी की बढ़ोतरी हुई हैं। इसी तरह भारत और कनाडा के बीच व्यापार और निवेश के संबंध, दोनों देशों के बीच के बहुआयामी संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। 2022 में, वस्तुओं के दो–तरफा व्यापार का मूल्य 871.5 अरब रुपये था। जिसमें भारत के निर्यात का हिस्सा 531.2 अरब रुपये और आयात का हिस्सा 340.3 अरब रुपये था। मतलब यह कि इस विवाद से केवल कनाड़ा को ही नही भारत को भी इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। ताजा घटना क्रम में कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार नथाली ड्रोइन, उप–विदेश मंत्री डेविड मॉरीसन व कनाडा के संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों ने वाशिंगटन पोस्टश् की लीक रिपोर्ट की पुष्टि की, जिसमें आरोप लगाया गया कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादियों को निशाना बनाने के अभियान के पीछे भारत के गृह मंत्री शाह का हाथ था. डेविड मॉरीसन ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि उन्होंने वाशिंगटन पोस्ट को शाह के नाम की "पुष्टि" की है. उन्होंने कहा, "पत्रकार ने मुझे फोन करके पूछा कि क्या यह वही व्यक्ति है. मैंने पुष्टि की कि यह वही व्यक्ति है। कनाड़ा यही नही रूका बल्कि "कनाडा ने पहली बार भारत का नाम साइबर खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची में शामिल किया है। इसके जरिये उसने यह संकेत देने की कोशिश की है कि भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तत्वों के माध्यम से ओटावा के खिलाफ जासूसी किए जाने की संभावना है। दोनों देशों के मध्य जारी कूटनीतिक विवाद के बीच, कनाडा की एनसीटीए 2025–2026 रिपोर्ट में चीन, रूस, ईरान और उ. कोरिया के बाद भारत को 5वें स्थान पर है। इस पर भारत को एक बार फिर कनाडा के उप उच्चायुक्त को तलब कर फटकार लगाते हुए यह कहना पड़ा कि यदि उसका गैर जिम्मेदाराना रवैया कायम रहा तो दोनों देशों के संबंध और बिगड़ेंगे। इससे यही पता चला कि कनाडा सरकार भारत को बदनाम करने के अभियान में लिप्त है और सनसनी फैलाने के लिए शातिर तरीके से मीडिया का सहारा ले रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के उप विदेश मंत्री की इसी हरकत पर नाराजगी जताई। यह नाराजगी सर्वथा उचित है, क्योंकि कनाडा सरकार अपने यहां के खालिस्तानियों को निशाना बनाने में भारत की लिप्तता के कोई प्रमाण देने से इन्कार कर रही है। यह किसी से छिपा नहीं कि कनाडा सरकार ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय राजनयिकों का कथित हाथ होने के प्रमाण सामने रखे बिना किस तरह भारत को कठघरे में खड़ा किया। कनाडा सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों और आतंकियों का खुलकर साथ देने पर इस हद तक आमादा है कि इस पर गौर करने को तैयार नहीं कि ये अतिवादी तत्व भारत की एकता–अखंडता के लिए खतरा बन रहे हैं।

हाइवे पर महिला के मारी गोली मौके से हमलावर हुए फरार

शिवानी यादव

इटावा /जसवंतनगर: थाना क्षेत्र के नंगला केशो के समीप एक महिला ने गाव के ही लोगो पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उसे गोली मारकर घायल कर दिया है। सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची थाना जसवंतनगर पुलिस, ने जांच पड़ताल शुरू की हैं तथा मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है जानकारी के अनुसार शिवानी कुमारी पत्नी कुलदीप यादव निवासी नगला कैंशो ने थाने में तहरीर दी कि सोमवार की दोपहर 2:00 बजे कार से जसवंतनगर की ओर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर आये जिन्होने गाडी रूकवाकर मेरे ऊपर फायर कर दिया जिससे गोली मेरे हाथ की उंगली में लगी जिससे में घायल हो गयी। हमलावर मेरे पति कुलदीप यादव की हत्या करना चाहते हैं। वही उसका यह भी आरोप की गोली गांव के नीरज यादव तथा उसके साथियो द्वारा चलायी गयी हैं। इससे पूर्व में भी हमलावर सैफई पीजीआई परिसर में कुछ माह प्राणघातक हमला कर चुके हैं। प्रभारी निरीक्षक राम सहाय ने बताया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा हर पहलू पर जांच पड़ताल की जा रही हैं इन दोनों पक्षों की पहले से ही रंजिश चली आ रही है एक दूसरे पर मुकदमा भी लिखना चाहते हैं

बाइक की टक्कर से देवर भाभी सहित पैदल जा रही महिला गंभीर घायल

हाईवे रोड मंडी गेट के सामने हुई दुर्घटना अस्पताल से किया गया रेफर

औरैया। कोतवाली क्षेत्र के हाईवे रोड मंडी गेट के सामने रविवार को एक बाइक असंतुलित होकर बहक गई, जिसकी वपेट में आकर पैदल रोड पार कर रही एक महिला रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके साथ ही बाइक सवार देवर- भाभी भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के सभी घायलों को पुलिस ने स्थानीय 50 शैय्या युक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने गंभीर घायलों को रेफर कर दिया। जनपद इटावा क्षेत्र के ग्राम नगला मूला निवासी अवनीश 26 वर्ष पुत्र अरविंद कुमार रविवार को अपने गांव से बुलेट मोटरसाइकिल से अपनी भाभी पूजा 24 वर्ष पत्नी प्रिंस कुमार को साथ लेकर उसके मायके कानपुर देहात थाना कस्बा सिकंदरा जा रहा था, जैसे ही वह कोतवाली क्षेत्र के हाईवे रोड मंडी गेट के सामने पहुंचा, उसी समय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुल्हूपुर निवासी ऊषा देवी 62 वर्ष पत्नी हरिशंकर जो की अपने गांव से अपनी बहन से मिलने ग्राम समरथपुर जा रही थी, जब वह मंडी गेट के सामने वाहन से उतरने के बाद पैदल रोड पर कर रही थी। उसी समय उपरोक्त मोटरसाइकिल के चालक ने नियंत्रण खो दिया जिससे बाइक महिला से टकरा गई। टक्कर लगने से वह रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके साथ ही अवनीश व पूजा (देवर-भाभी) भी घायल हुए हैं। दुर्घटना के तीनों घायलों को मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थानीय 50 शैय्या युक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इसके साथ ही दुर्घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंच गये। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल ऊषा व अवनीश को कानपुर रेफर कर दिया है।

नल से पानी भरते समय फिसलकर गिरने से युवक की हुई मौत

इटावा /इकदिल -- थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बालमपुर में आज करीब 11बजे अवधेश दोहरे पुत्र चेतराम उम्र करीब 30 वर्ष की फिसल कर गिर जाने से मृत्यु हो गई मृतक अपने परिवार में अकेला था मृतक की पत्नी अपने मायके रह रही थी इस कारण मृतक शराब का आदी था बताया गया है कि मृतक के पैर में काफी समय पहले चोट लगी थी आज करीब सुबह आठ बजे नल से पानी भर रहा था तभी फिसलकर गिर जाने से सीने में गंभीर रूप से चोट लगी थी जिसके चलते करीब 11बजे मौत हो गई मृतक के परिवार में माता पिता की पहले ही मौत हो चुकी हैं और अकेला ही घर में रह रहा था पत्नी शराब के कारण अपने मायके में रह रही थी इस कारण मृतक घर में अकेला ही था थाना इकदिल पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सड़क हादसे में दरोगा की मौत, पुलिस विभाग में दौड़ी शोक की लहर

रोंग साइड से आ रही बाइक ने दरोगा की बाइक में मारी थी टक्कर

इटावा /भरथना : कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत इटावा कन्नौज हाईवे पर उस समय हडकम्प मच गया, जब एक दरोगा की टैंकर से दबकर मौत हो गयी । मामला सोमवार की दोपहर लगभग 12 बजे का है , मृतक दरोगा जब दीपावली के बाद से खुले बैंकों की रूटीन चैकिंग के लिए जा रहे थे तभी रोंग साइड से आ रहे बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे दरोगा कि बाइक असंतुलित हो गयी जिससे दरोगा की टैंकर के नीचे आ जाने से घटना स्थल पर ही मौत हो गयी

बैंकों की रूटीन चेकिंग पर जा रहे थे उपनिरीक्षक

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक उपनिरीक्षक रहीश पाल सिंह यादव उम्र 55 वर्ष निवासी गॉव सैंलार (बहादुरपुर) कोतवाली देहात जनपद एटा के रहने वाले थे जिनकी भरथना थाना में नियुक्ति 31 जुलाई 2023 को हुयी थी वर्तमान में वह कस्बा चौकी में तैनात थे, सोमवार कि दोपहर करीब 12 बजे अपनी बुलट मोटरसाइकिल से कस्बे में स्थित थाने से बैंकों का निरीक्षण करने आ रहे थे जैसे ही वह जवाहर रोड स्थित पंचवटी मार्ग के सामने पहुंचे तभी विपरीत कि तरफ से इटावा जा रहे दूध के टैंकर के आ जाने से तथा सामने से आ रहे बाइक सवार ने उपनिरीक्षक की बाइक में टक्कर मार दी उसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ने से टैंकर की वपेट में आ गए, टैंकर के नीचे दबने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गयी ।

टैंकर चालक मौके से हुआ फरार, पुलिस ने टैंकर कब्जे में लिया

जैसे ही स्थानीय निवासियों ने उक्त घटना देखी तो तुरंत ही स्थानीय निवासी उन्हें बचाने के लिए दौड़ पड़े लोगों की भीड़ बढ़ता देख टैंकर चालक टैंकर को घटना स्थल पर ही छोड़कर मौके से फरार हो गया, घटना कि सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी अतुल प्रधान, थाना प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र सिंह तथा कृहम इंस्पेक्टर नरेन्द्र मिश्रा सहित भारी पुलिस बल ने बाइक सहित टैंकर को अपने कब्जे में लिया तथा शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।

परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल

उपनिरीक्षक अपने पीछे पत्नी उर्मिला देवी, पुत्र अक्षनीश कुमार, अंकित, ऋषभ व पुत्री शिवानी सहित परिजनों को रोता बिलखता छोड़ गए आलीशढ़ जनपद में पुलिस में दीवान पद पर तैनात उनके भाई कुशल पाल सिंह ने बताया कि भाई साहब का परिवार लाल कुआं के समीप गाजियाबाद जनपद में रह रहा हैं

मृतक अधिकारी की फाइल फोटो

पुलिस क्षेत्राधिकारी ने टैंकर के नीचे फसे शव को बाहर निकाला

इटावा /भरथना घटना स्थल पर पहुंचे भरथना पुलिस क्षेत्राधिकारी अतुल प्रधान ने शव को टैंकर के नीचे फसा देख खुद ही टैंकर की केबिन में बैठकर पुलिस बल की मदद से टैंकर को पीछे करवेंग शव को बाहर निकाला, जिसके बाद शव को थाना प्रभारी देवेन्द्र सिंह के द्वारा अपनी पुलिस गाडी में ले जाया गया ।

पुलिस विभाग में दौड़ी शोक की लहर

जैसे ही हृदय विदारक दुर्घटना की सूचना थाना पुलिस को मिली सभी आनन फानन में घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े और पूरे पुलिस विभाग में उनके सरल स्वभाव व अच्छी कार्यशैली को लेकर चर्चा करते हुए शोक में डूब गए शीघ्र ही दुर्घटना की सूचना उनके परिजनों को प्रभारी निरीक्षक ने दी ।

घटना से नगर में बनी भीषण जाम की स्थिति

उक्त घटना के बाद नगर का मुख्य मार्ग होने की वजह से इटावा कन्नौज हाईवे पर भारी जाम की स्थिति बन गयी सैकड़ों गाड़ियों कतारबद्ध होकर खड़ी हो गयी, कस्बे में जाम की स्थिति बनता देख कस्बा चौकी प्रभारी अरिमर्दन सिंह ने पुलिस बल के साथ कड़ी मशक्कत से जाम खुलवाया जिसके बाद धीरे धीरे यातायात सुचारू रूप से बहाल हुआ ।

सैकड़ों दुर्घटनाओं की गवाह बन रही धूल उडाती निर्माणाधीन सडक

कस्बे के इटावा कन्नौज हाईवे पर अधूरे पड़े निर्माण कार्य की वजह से आये दिन सडक हादसे हो रहे हैं, कार्यदायी संस्था की लापरवाही के चलते आये दिन कोई न कोई दुर्घटना का शिकार हो जाता हैं, नगर के मुख्य मार्ग पर अधूरे पड़े निर्माण कार्य की वजह से नगर की जनता तथा सड़क किनारे दुकान किये हुए दुकानदार त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहे हैं ।

केके कालेज में मनाई गई सरदार पटेल जयंती

इटावा। अखंड भारत के प्रणेता लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संपूर्ण रूप से अभिव्यक्त कर पाना किसी के वश की बात नहीं हैं। आज के नौजवानों को उनके उच्च आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश की एकता अखंडता के लिए काम करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरदार पटेल सिंचार मंच के तत्वाधान में सोमवार को केके कालेज में आयोजित हुए सरदार पटेल जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ये बात समाजवादी संसदीय दल के मुख्य सचेतक सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कही।

उन्होंने कहा कि आज का अखंड भारत सरदार पटेलजी की दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम हैं जिन्होंने पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधा। उन्होंने कार्यक्रम संयोजक आशीष पटेल और उनके सहयोगियों का इस बात के लिए विशेष आभार जताया कि राष्ट्र के ऐसे अप्रतिम व्यक्तित्व का स्मरण करने का सौभाग्य प्रदान किया।

कार्यक्रम में एक बार फिर अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मुंबई से इटावा पधारे सिनेमा एवं टीवी के प्रसिद्ध कलाकार सुरेंद्र पाल ने अपने संबोधन में कहा कि इटावा और केके कालेज से उनकी इतनी यादें जुड़ी हुई हैं कि मैं अति व्यस्तता के बावजूद आशीष पटेल का अहवान टाल नहीं पाता हूं। लौह पुरुष जैसे राष्ट्रीय व्यक्तित्व के कार्यक्रम में आकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता हूं। मैं तो कहता हूं कि पुत्र हो तो सरदार पटेल जैसा, जिसे हमेशा याद किया जाए। उन्होंने समाजवादी नेता शिवपाल सिंह यादव के योगदानों एवं उनकी सेवाओं का भी ज़िक्र किया जिन्होंने पक्का तालाब चौराहा पर सरदार पटेल की मूर्ति लगवाकर उस महान व्यक्तित्व को सम्मान दिया। उन्होंने श्रोताओं की मांग पर अपने कई सीरियल्स के चुन्दिा डायलॉग भी सुनाए।

कॉलेज के प्रावार्य डॉ. महेंद्र सिंह यादव ने सभी का स्वागत करते हुए सरदार पटेल के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और कहा कि तत्कालीन 562 रियासतों का एकीकरण करना लौह पुरुष जैसे व्यक्तित्व के द्वारा ही संभव था। ऐसे ऐतिहासिक महापुरुष का स्मरण हम सबके लिए गर्व और सौभाग्य की बात हैं। इस अवसर पर इटावा जिला पंचायत के अध्यक्ष अभिषेक यादव अंशुल, राष्ट्रीय कवि अशोक यादव, पूर्व विधायक मिथिलेश कटियार, नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष ज्योति गुप्ता संटू ने भी विचार रखे।

इससे पूर्व सभी अतिथियों ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समाजवादी नेता शिवपाल सिंह यादव के वर्चुअल संबोधन से हुआ। महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार वर्मा, मंत्री ओंकारनाथ वर्मा एवं चीफ प्रॉक्टर डा. शिवराज सिंह यादव ने भी सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर समिति द्वारा शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान भी किया गया। इनमें पेरिस ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले इटावा के होनहार खिलाड़ी अजीत यादव के अलावा डा. कैलाश यादव, राधेश्याम शाक्य, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, मो. अल्ताफ, अज्ञात वर्मा, नीतू यादव को सरदार पटेल शिक्षा रत्न सम्मान से तथा डा. शिवराज सिंह यादव, डा. मुरलीधर, लेफ्टिनेंट सुनील सिंह सेंगर, डा. अजय यादव, डा. अनुपम मिश्रा, डा. संजीव कुमार, डा. संदीप पटेल, कौशलेंद्र कुमार, शशांक पटेल को सरदार पटेल विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम संयोजक आशीष पटेल ने सभी का आभार करते हुए कहा कि माननीय शिवपाल सिंह यादव जी के विशेष योगदान से आरम्भ हुई सरदार पटेल जयंती समारोह की यह चौबीस वर्ष की यात्रा का अगले वर्ष लौह पुरुष की डेढ़ सौ वीं जयंती पर और बड़ा समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह का संचालन सपा के जिला महासचिव बीरू भदौरिया ने किया। इस अवसर पर इटावा लोकसभा के सांसद जितेंद्र दोहरे,पूर्व विधायिका मिथलेश कटियार, सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, केके यादव, सुनील यादव, धर्मवीर बिट्टू, कमलापति वर्मा, ओंकारनाथ वर्मा (मंत्री), अरविंद यादव,राजेश यादव,डा. ओम कुमारी, सलिम, सोमनाथ, डा समित वर्मा,सचिन पूर्व सभासद, अतुल वर्मा,राजेश वर्मा, विमल वर्मा, सुनील पटेल, देशराज वर्मा, पवन वर्मा, विनय वर्मा, विमल वर्मा, आलोक पटेल आदि लोग विशेष रूप से मौजूद रहे।

यातायात माह, नवम्बर-2024 का शुभारम्भ

औरैया,, जनपद में पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी,अपर पुलिस अधीक्षक औरैया, व एआरटीओ द्वारा हरी झण्डी दिखाकर यातायात जागरूकता वाहन को रवाना किया गया ।उक्त रैली के सुभारम्भ के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर , अपर जिलाधिकारी,अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा, एआरटीओ व क्षेत्राधिकारी नगर, अजीतमल तथा प्रशिक्षु यातायात उपनिरीक्षक, यातायात पुलिसकर्मी, व अन्य ने प्रतिभाग किया । इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी को यातायात सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए बताया गया कि मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट/चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य धारण करना, वाहनों को कभी भी तेज गति में न चलाना, नशे की हालत में वाहन न चलाना, हमेशा अपने बायें चलना, उतावलेपन से वाहन न चलाना, चौराहा पार करते समय पहले दाहिने व बांये देखकर ही आगे बढ़ना, स्टंट बाइकिंग न करना, प्रेशर हार्न, मोडीफाइड साइलेंसर का प्रयोग न करना एवं सड़क पार करते समय जेब्रा लाइन का प्रयोग करना आदि महत्वपूर्ण यातायात नियम हैं जिनका पालन करके सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है तथा इन नियमों का सभी को अवश्य पालन करना चाहिए । तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक व अपर जिलाधिकारी द्वारा यातायात पुलिस कार्यालय से यातायात जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

डीएम एसएसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस सदर तहसील मे सुनी फरियाद

इटावा- माह के प्रथम शनिवार को गोवर्धन पूजा होने के दृष्टिगत सार्वजनिक अवकाश होने के कारण सम्पूर्ण समाधान दिवस (तहसील दिवस) के अवसर पर जिलाधिकारी अक्षनीश कुमार राय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से तहसील सदर इटावा पर जन शिकायतों को सुना गया तथा तहसील दिवस के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया उक्त कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस के अन्य अधि0/कर्म0गण उपस्थित रहे ।

स्कूल मे मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

इटावा मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/ बालिकाओं को किया जागरूक उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/ बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के तहत ☐वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के दृष्टिगतः- आज दिनांक को जनपद इटावा के थाना बैंदपुरा पर गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा एल एस इण्टर कालेज जाकर पहुंचकर महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गयी व महिला हिंसा से संबंधित अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वीमेन पावर लाइन (1090) 2. पुलिस आपातकालीन सेवा (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टाप सेन्टर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेन्स सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

थाना लौर पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल से गांजा की तस्करी करने वाले नाबालिग को 3 किग्रा गांजा सहित पकड़ा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। पुलिस अधीक्षक मऊगंज श्रीमती रसना ठाकुर के निर्देशन एवं अति. पु.अधी. मऊगंज श्री अनुराग पाण्डेय तथा एसडीओपी मऊगंज श्रीमती अँकिता शुल्या के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी लौर जगदीश ठाकुर एवं हमराह स्टाफ के द्वारा - दिनाँक 04.11.24 को देहात भ्रमण दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि जीतेन्द्र उर्फ छोटू जायसवाल नाम का व्यक्ति अपने साथी के साथ बायपास में नँदा तालाब के पास मादक पदार्थ गाँजा की खेप लेकर जा रहा है, प्राप्त मुखबिर सूचना पर मौके पर दबिश दी गई, जहाँ पुलिस को देखकर मुख्य आरोपी जीतेन्द्र उर्फ छोटू जायसवाल भागने मे कामयाब रहा मौके से उसके साथी 15 वर्षीय किशोर को मोटर सायकल व बैग सहित दस्तयाब कर तलाशी दौरान बैग से कुल 03 किलो मादक पदार्थ गाँजा कीमती लगभग 40,000 रुपए का एवं तश्करी मे प्रयुक्त मोटर सायकल बरामद किया गया, जिसके संबंध मे किशोर एवं मौके से भागे हुए आरोपी का कृत्य धारा 8/20(ड्ड) एनडीपीएस एक्ट का अपराध पाए जाने से बरामद मादक पदार्थ गाँजा व मोटर सायकल को जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया एवं विधि विवादित किशोर को गिरफ्तार कर वापसी पर अपराध पँजीबद्ध कर मुख्य आरोपी एवं उसके सहयोगियो की तलाश की जा रही है।

रंगोली, एकल एवं समूह नृत्य कलाकारों का पंजीयन प्रारंभ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। आगामी 10-11 नवम्बर को हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार द्वारा स्थानीय पद्मधर पार्क मे आयोजित सार्वजनिक दीपोत्सव को भव्य एवं यादगार बनाने की तैयारियां की जा रही है। इस वर्ष होने वाले आयोजन में 10 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से रंगोली दीप प्रतियोगिता महिला शाखा संरक्षक संतोषी गुप्ता के अनुरोध पर पुनः रखी जा रही है। जिसमे उनके साथ लीना साहू और ममता पाण्डेय के साथ युवा महासचिव अंशुमान गुप्ता सहयोग करेगें। इसी के साथ होने वाले एकल एवं समूह नृत्य कलाकारों का पंजीयन भी प्रारंभ किया जा रहा है, जिसके लिये सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू एवं युवा अध्यक्ष सुमित मांजवानी से सम्पर्क किया जा सकता है। लगातार 26वें वर्ष हो रहे इस अभिनव आयोजन का नगर के कलाकारों को वर्ष भर इंतजार रहता है। धर्मपरिवार इस कार्यक्रम से कलाकारों को विशाल मंच देने के साथ पुरस्कार देकर सम्मान भी करता है, लेकिन कोई पंजीयन शुल्क नहीं लेता है, लेकिन पंजीयन इसलिये कराया जाता है ताकि कलाकारों को स्थान एवं समय के साथ पुरस्कारों की व्यवस्था निर्वाध रूप से हो सके। यह जानकारी संस्थापक आजीवन संरक्षक एवं आयोजन के मार्गदर्शक नारायण डिगवानी एवं अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगु ने दी है। श्री डिगवानी ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी क्षेत्र की आठ विभूतियों के साथ मीडिया कर्मियों को भी सम्मानित किया जायेगा। इस बार 10-11 नवम्बर को प्राची शुक्ला भजन मण्डली द्वारा भजनों से शुभारंभ किया जायेगा और दीप प्रज्जवलन के पश्चात् सायं 6 बजे रात्रि 10 बजे तक एकल एवं समूह नृत्य कलाकारों द्वारा धार्मिक गीतों पर प्रस्तुतियां दी जायेगी।

कलेक्टर ने जन सुनवाई के आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण करने के दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार तथा कलेक्टर कक्ष में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जन सुनवाई में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल तथा अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने आमजनता से प्राप्त 73 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ जन सुनवाई में प्राप्त पत्रों का सात दिवस में निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। वरिष्ठ कार्यालयों से आवेदनों के निराकरण की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। सभी अधिकारी साप्ताहिक जन सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। जन सुनवाई में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, सहायक कलेक्टर प्रपंज आर ने भी आवेदनों में सुनवाई की। जन सुनवाई में धनेष सोनकर निवासी गा?ा 138 ने गांव में स्वीकृत स?क तथा पुल निर्माण का कार्य पूरा कराने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को अधूरा कार्य तत्काल शुरू कराने के निर्देश दिए। शिवनायक तिवारी निवासी अतरैला ने जमीन के नक्शे में सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम जवा को सात दिवस में नक्शे में सुधार के निर्देश दिए। सर्वेश कुमार दुबे निवासी बदरांव ने जमीनों की इस्तलाबी के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को तीन दिवस में इस्तलाबी करने के निर्देश दिए। रामफल हरिजन निवासी बरहदी ने आम रास्ते से अवैध कब्जा हटाकर स?क निर्माण कराने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर कर्चुलियान को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जन सुनवाई में पंचायत द्वारा निर्माण कार्यों में अनियमितता, मजदूरी भुगतान, उपचार सहायता, भालू के हमले से घायल होने पर आर्थिक सहायता, बिजली बिलों में सुधार सहित विभिन्न विभागों से जुड़े आवेदनों में सुनवाई की गई।

वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया स्वास्थ्य शिविर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीर्वाद भिलाला के नेतृत्व में वृद्धाश्रम में न्यायोत्सव विशेष विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य शिविर एंव विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवा वितरित की गई। वृद्धजनों का नेत्र परीक्षण भी किया गया। वृद्धजनों को चश्मे का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ रॉबिन गोयल, डॉ सावेन्द्र सिंह सिकरवार, डॉ पुष्पेंद्र तिवारी, डॉ ललन सिंह, डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ कौशल सेन ने किया। वृद्धाश्रम में इस दौरान विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीर्वाद भिलाला ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण अधिनियम के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय मिश्रा ने निःशुल्क विधिक सहायता के विषय में जानकारी दी। डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी चेयरमैन रेडकास सोसायटी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर भारतीय रेडकास सोसायटी की सदस्य श्रीमती सीमा श्रीवास्तव, डॉ राघवेंद्र सिंह, डिप्टी चीफ काउंसिल आनंद पाण्डेय, डिप्टी चीफ काउंसिल मंजूर अहमद, असिस्टेंट लीगल काउंसल अनीश पाण्डेय, अधिवक्ता श्री अमर ज्योति गुप्ता उपस्थित रहे।

मां सुपरस्टार, पापा फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर...कौन हैं

राशा थडानी

जो अजय देवगन के भांजे के साथ करने जा रहीं डेब्यू?

जान्हवी कपूर, अनन्या पांडे, वरुण धवन और आलिया भट्ट जैसे कई स्टार किड्स ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है. अब इन स्टार किड्स की तरह शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी अपना फिल्मी सफर शुरू कर दिया है. इन सभी युवाओं में एक और स्टार किड का नाम जुड़ गया है और वो हैं राशा थडानी. हाल ही में बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन और 'भूल भुलैया 3', 'पुष्पा2' जैसी फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी राशा थडानी की फिल्म 'आजाद' का पोस्टर लॉन्च हुआ है. ये पोस्टर अजय देवगन ने लॉन्च किया है. जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में राशा अहम किरदार में नजर आएंगी.राशा सिर्फ 19 साल की हैं. डेब्यू से पहले ही वो लगभग 12 लाख लोगों से इंस्टाग्राम पर जुड़ी हुई हैं. राशा का पूरा नाम राशाविशाखा है. ये रवीना टंडन की पहली बायोलॉजिकल बेटी हैं. राशा की दो बड़ी बहनें भी हैं, जिन्हें रवीना टंडन ने गोद लिया था. जब से होश संभाला है, तब से राशा को एक्ट्रेस ही बनना था. यही वजह है कि स्कूल खत्म होते ही उन्होंने अपने डेब्यू की तैयारी शुरू कर दी. उनकी स्कूलिंग भी स्टार किड्स वाले स्कूल में ही हुई हैं.

मुंबई के सबसे महंगे स्कूल से की है पढाई

सुहाना खान, शनाया कपूर और अनन्या पांडे की तरह राशा ने भी अपनी पढाई मुंबई के धीरूभाई अंबानी स्कूल से पूरी की है. साथ ही साल 2021 में उन्होंने आईजीसीएसई यानी इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन का टेस्ट भी पास कर लिया. एक्टिंग के अलावा फोटोग्राफी को लेकर भी राशा पैशनेट हैं. सुहाना खान से लेकर कई स्टार किड सोशल मीडिया पर उन्हें फॉलो भी करते हैं. वैसे तो राशा को फिल्मों के कई सारे ऑफर्स आए, लेकिन वो एक पीरियड ड्रामा फिल्म के साथ अपना डेब्यू कर रही हैं.

अभिषेक कपूर की फिल्म से करेंगी डेब्यू

राशा अजय देवगन के भांजा अमन देवगन के साथ 'आजाद' में स्क्रीन शेयर करेंगी. ये इन दोनों का ये बॉलीवुड डेब्यू होगा. 'केदारनाथ', 'काय पो चे' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले अभिषेक कपूर ने 'आजाद' का निर्देशन किया है.

शाहरुख खान

की ग्रैंड बर्थडे पार्टी में 250 लोगों को न्योता, गौरी ने बनाया पूरा प्लान

दो नवंबर का दिन बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ-साथ उनके तमाम फैन्स के लिए भी बेहद खास होता है. इस दिन शाहरुख अपना जन्मदिन अकेले नहीं मनाते, बल्कि दुनियाभर में मौजूद उनके फैन्स उनके बर्थडे को धूम-धाम से सेलिब्रेट करते हैं. इस बार गौरी खान ने पति शाहरुख खान के बर्थडे के लिए खास प्लान तैयार किया है. उन्होंने 250 से ज्यादा मेहमानों की लिस्ट बनाई है और उन्हें किंग खान की बर्थडे पार्टी में इनवाइट किया है.ईंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि गौरी ने शाहरुख के 59 साल होने का जश्न मनाने के लिए बड़ी तैयारी की है. किंग खान इस बार अपना बर्थडे करीबी दोस्तों, परिवारवालों के अलावा बॉलीवुड के सितारों के साथ भी सेलिब्रेट करेंगे. गौरी ने अपनी टीम के साथ मिलकर 250 से ज्यादा मेहमानों को पार्टी की दावत दी है.

इन सितारों को भेजा गया न्योता

शाहरुख खान की ग्रैंड बर्थडे पार्टी के लिए गौरी ने रणवीर सिंह, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, एटली जोया अख्तर, फराह खान, आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट, अनन्या पांडे, करण जौहर, शनाया कपूर, महीप कपूर, शालिनी पस्सी और नीलम कोठारी जैसे सितारों को बुलावा भेजा है. माना जा रहा है कि ये सभी सितारे किंग खान की बर्थडे पार्टी में चार चांद लगाते नजर आएंगे.

शाहरुख करेंगे फिल्म का ऐलान ?

रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि शाहरुख खान इस खास मौके पर अपनी अगली फिल्म 'किंग' का ऐलान कर सकते हैं. हालांकि अभी तक इस बारे में कोई कंफर्मेशन नहीं आई है. इस फिल्म से ही सुहाना खान बॉलीवुड में कदम रखने वाली है. शाहरुख इसमें डॉन के किरदार में दिख सकते हैं.शाहरुख खान फिलहाल सुहाना और आर्यन के साथ दुबई में हैं. हाल ही में आर्यन खान के ब्रांड डी यावोल के एक इवेंट में शाहरुख खान पहुंचे थे और वहां जमकर डांस भी किया था.

'मैं गुम हो गया था...' 90s में शाहरुख-सलमान-आमिर संग तुलना पर क्या बोले चंकी पांडे?

बॉलीवुड इंडस्ट्री में चंकी पांडे एक जाना-माना नाम हैं और अब तो उनकी बेटी अनन्या पांडे भी कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं. एक्टर 4 दशक से फिल्मों में सक्रिय हैं. वे उस दौर में आए जब उन्हें कई सारे एक्टर्स के साथ कॉम्पिटीट करना पड़ा. एक्शन में सनी देओल, अक्षय कुमार और संजय दत्त जैसे स्टार्स थे, रोमांस की कमान शाहरुख खान ने संभाल ली थी और दूसरी तरफ आमिर खान और अजय देवगन ड्रामा फिल्में ला रहे थे. सभी कलाकार किसी ना किसी जॉनर में रम गए थे. ऐसे में 80s-90s में चंकी पांडे को अपने करियर में काफी स्ट्रगल करना पड़ा. अब एक्टर ने इसपर सालों बाद बात की है.

चंकी पांडे ने स्ट्रगल पर की बातें

1987 में आग ही आग फिल्म से करियर शुरू करने वाले बॉलीवुड एक्टर चंकी पांडे ने कहा कि उन्हें करियर के दौरान काफी रिजेक्शन्स देखने पड़े. फिल्मों में ही नहीं उन्हें टीवी के लिए भी रिजेक्शन्स झेलने पड़े थे. एक्टर को उनका अटायर देखकर एक बार किसी ने बोल दिया था कि उन्हें टार्जन के रोल के लिए ऑडिशन नहीं चाहिए हीरो के रोल के लिए चाहिए. अपना लक कहीं और ट्राए करें. चंकी ने बताया कि 90ह्य के दौर में लीडिंग एक्टर की कैटेगिरीज डिवाइड हो गई जिसकी वजह से उन्हें लीड रोल पाने के लिए दिक्कत होने लगी.

तीनों खान के बारे में क्या बोले चंकी पांडे

खान्स के साथ कॉम्पिटिशन के बारे में बात करते हुए चंकी पांडे ने कहा- मैं कहीं गुम हो गया था. कई सारे लोगों की एंट्री एक साथ हो गई. मैं किसी और को नहीं बल्कि खुद को ही इसका ब्लेम दूंगा. मैं उस समय नया खून था. मैंने तरह तरह के रोल्स करने शरू कर दिए. जो भी रोल्स मुझे मिलता मैं करने लगता, पैसा भी मिलता था. मेरी प्राथमिकताएं बदल गईं और यही वजह है कि मैं उस हिसाब के रोल्स कैप्चर नहीं कर पाया. चंकी पांडे की पिछली फिल्म सरदार थी और अब वे विजय 69 फिल्म का हिस्सा हैं.

एलिस के सामने आया बॉयफ्रेंड कंवर ढिल्लों का सच, सलमान के खुलासे के बाद फूट-फूटकर रोईं एक्ट्रेस

बिग बॉस 18 के घर में सलमान खान ने दिवाली के जश्न की शुरुआत की है. जी हां, हमेशा शनिवार और रविवार को ऑन एयर होने वाला 'वीकेंड का वार' इस हफ्ते शुक्रवार से लेकर रविवार तक लगातार 3 दिन तक चलने वाला है. जाहिर सी बात है कि बिग बॉस के मंच पर सलमान अपने शब्दों के पटाखों के जरिए दर्शकों का खूब मनोरंजन का खूब मनोरंजन का रहे हैं. इस आतिशबाजी के दौरान सलमान ने पहला बम एलिस कौशिक पर फोड़ा. दरअसल बिग बॉस के घर में एलिस ने घरवालों से कहा था कि उनके बॉयफ्रेंड कंवर ढिल्लों ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था. लेकिन सलमान खान ने 'वीकेंड का वार' पर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि एलिस, कंवर ढिल्लों ने इस बात को झुठला दिया है. सलमान के इस खुलासे से एलिस पूरी तरह से टूट गईं.

सलमान बोले,हाल ही में कंवर ढिल्लों ने एक इंटरव्यू में बताया कि मैंने कभी भी एलिस को शादी के लिए प्रपोज नहीं किया था, मैंने उन्हें

कहा था कि मैं एलिस जैसी लड़की से मैं फ्यूचर में शादी करना चाहूंगा. हालांकि न ही मैंने एलिस को शादी के लिए प्रपोज किया और न ही मैं अभी शादी के लिए तैयार हूं और अगले 5 सालों तक मेरा शादी का कोई इरादा नहीं है. जब एलिस ने नेशनल टीवी पर ये बात कह दी तब मेरी मां ने मुझे एक लुक दिया और मैंने उन्हें बताया कि ऐसा कुछ नहीं है.

फूट-फूटकर रोईं एलिस

सलमान की बातें सुनकर एलिस को लगा कि वो उनसे मस्ती कर रहे हैं. लेकिन जब उन्हें पता चला कि सलमान सच बोल रहे हैं तब उनके चेहरे से रंग उड़ गए. उन्होंने कहा कि मैं भी शादी अभी नहीं करना चाहती. मैं भी 5 साल तक शादी नहीं करना चाहती. लेकिन अगर उन्होंने मेरे बारे में ऐसे कहा है कि उन्होंने कभी मुझसे शादी की बात नहीं की थी तो वो गलत है. उनके माता-पिता को इस बारे में पता है.

घरवालों ने दी सलाह

सलमान के जाने के बाद विवियन डीसेना, ईशा सिंह के साथ एलिस के कई दोस्तों ने उन्हें सलाह दी कि वो अभी इस मामले पर रियेक्ट न करें, क्योंकि कंवर ने ये क्यों बोला इसके पीछे भी कोई वजह होगी. घरवालों ने समझाने के बावजूद इस मुद्दे को लेकर ईशा फिर भी काफी भावुक हो रही थीं.

इराक के मिलिशिया समूह ने इजरायल में तीन ड्रोन हमले करने का किया दावा

बगदाद। इराक के शिया मिलिशिया समूह ने को इजरायली ठिकानों पर तीन ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली। समूह की ओर से जारी बयान के अनुसार समूह के लड़ाकों ने जॉर्डन घाटी में 'महत्वपूर्ण स्थलों' पर दो ड्रोन हमले किए, जो जॉर्डन की इजरायल और वेस्ट बैंक के साथ पश्चिमी सीमा से लगे हुए हैं, और तीसरा हमला कब्जे वाले गोलान हाइट्स में किया। बयानों में लक्षित स्थलों के बारे में या किसी हताहत की सूचना नहीं दी गई। समूह ने कहा कि हमले 'फिलिस्तीन और लेबनान में हमारे लोगों के साथ एकजुटता में' किए गए हैं। समूह ने 'दुश्मन के गढ़ों को तीव्र गति से लक्षित करते रहने' का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में इजरायल-फिलिस्तीन के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से, इराक में इस्लामिक प्रतिरोध ने गाजा में फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाने के लिए क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर बार-बार हमला किया है। तेईस सितंबर को लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ हमलों को तेज करने के बाद मिलिशिया ने इजरायल पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

अफगानिस्तान के गैस फैक्ट्री में लगी आग

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिम में स्थित एक गैस फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। काबुल के पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जादरान ने यह जानकारी दी। घटना पगमान जिले के काला-ए-हैदर खान इलाके में अपराह्न में घटित हुयी। श्री जादरान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, 'दमकलकर्मी इलाके में पहुंचे और काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। ' अंतिम सूचना मिलने तक आग लगने के कारण और किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं मिली है।

चीन के गुआंग्डोंग में अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रदर्शनी का हुआ आगाज

गुआंगज़ौ। दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के झुहाई में अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी शुरू हुई। इस प्रदर्शनी में देश और विदेश के उत्कृष्ट कार्यों को प्रदर्शित किया गया है।

आयोजकों के अनुसार, 19वीं चीन अंतरराष्ट्रीय फ़ोटोप्रदर्शनी में 123 देशों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 हजार से अधिक फ़ोटोग्राफ़रों की 276 चयनित कृतियाँ शामिल हैं। यह आयोजन चाइना फ़ोटोग्राफ़र एसोसिएशन, गुआंग्डोंग के साहित्यिक और कला मंडलों के संघ और झुहाई नगरपालिका सरकार के सहयोग से किया गया है, जो 16 फरवरी 2025 तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि यह प्रदर्शनी पहली बार 1981 में आयोजित की गयी थी।

रूसी वायु रक्षा ने रोस्तोव क्षेत्र में यूक्रेन के 16 ड्रोन को किया नष्ट

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा ने रोस्तोव क्षेत्र में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 16 ड्रोनों को नष्ट कर दिया। गवर्नर वासिली गोलुबेव ने यह जानकारी दी। उन्होंने

टेलीग्राम पर कहा, 'वायु रक्षा बल दुश्मन के बड़े पैमाने पर हवाई हमले को नाकाम कर रहे हैं। फिलहाल रोस्तोव क्षेत्र के नोवोशाख्तिंस्क, कमेंस्क और उस्त-डोनेट्स्क जिले में 16 यूएवी नष्ट कर दिए गए हैं।' उन्होंने कहा कि हमले में कोई हताहत या क्षति नहीं हुई। सेना ने अपना काम कर रही है।

ट्रूडो और विपक्षी नेताओं पर भड़के कनाडाई नेता, कहा- 'खालिस्तानियों' का नाम लेने से डर रहे 'कायर'

टोरंटो । पीपुल्स पार्टी ऑफ कनाडा (पीपीसी) के नेता मैक्सिम बर्नियर ने ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिरों और भक्तों पर हाल ही में हुए हमले पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और विपक्षी नेताओं जगमीत सिंह और पियरे पोलीवरे की प्रतिक्रिया की आलोचना की।

बर्नियर ने आरोप लगाया कि नेताओं ने हमलावरों को 'खालिस्तानियों' के रूप में पहचानने से परहेज किया, क्योंकि उन्हें अपने वोटर बेस को बचाने की चिंता थी। एक्स पर बात करते हुए, बर्नियर ने पोस्ट किया,'क्या आप मेरे ट्वीट और तीन स्थापित पार्टी नेताओं के ट्वीट के बीच अंतर देख सकते हैं?' उन्होंने तीनों नेताओं की निंदा करते हुए उन्हें 'कायर' बताया। बर्नियर ने कहा, 'इनमें से कोई भी कायर उन खालिस्तानियों का नाम लेने की हिम्मत नहीं करता जो हिंसा कर रहे हैं। वे कुछ मतदाताओं को नाराज करने से डरते हैं, भले ही खालिस्तानी समर्थक सिख कनाडाई लोगों का अल्पसंख्यक वर्ग हैं। पीपीसी नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट पर स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा, यह आत्मसंतुष्टि

बताती है कि इस देश में खालिस्तानी चरमपंथ क्यों बढ़ता जा रहा है।' बर्नियर ने यह आलोचना ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के पास हुए हुए हमले को लेकर की। कथित तौर पर खालिस्तानी समूहों से जुड़े लोगों ने यहां भक्तों को निशाना बनाया था। मंदिर के बाहर पुलिस तैनात थी, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे पहले, बर्नियर ने कथित हमले का एक वीडियो एक्स पर भी शेयर किया। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'खालिस्तानी सिख ब्रैम्पटन हिंदू मंदिर में श्रद्धालुओं पर हमला कर रहे हैं। हालांकि चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि विविधता ही हमारी ताकत है!!!

मंदिर पर हुए हमले को लेकर कनाडाई पत्रकार का फूटा गुस्सा, कहा- पुलिस ने खालिस्तानियों की मदद की

काठमा कनाडा और भारत के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस बार हिंदू मंदिर पर हुए हमले को लेकर विवाद छिड़ गया है। कनाडाई पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने प्रशासन के स्थिति से निपटने के तरीके की निंदा करते हुए उन पर खालिस्तानी समूहों के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना कर कहा कि वे केवल %बातें% कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि अगर एक और साल तक वे पद पर बने रहे तो स्थिति और भी बदतर होगी। इसके अलावा, उन्होंने पुलिस पर भी निशाना साधा। कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घृणित थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। गौरतलब है, कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में एक हिंदू मंदिर में कथित तौर पर खालिस्तानियों ने श्रद्धालुओं को निशाना बनाया गया। रविवार को ये घटना हुई, जब एक समूह ने यहां पूजा पाठ के लिए आए लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, उसमें हिंदू सभा मंदिर के बाहर कुछ लोगों को लाठी-डंडों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। इस घटना ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया, जिसके कारण कनाडाई पुलिस को बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात करना पड़ा। बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्रूडो केवल बातें कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ट्रूडो के लगभग एक और वर्ष के लिए कार्यालय में होने पर स्थिति केवल बदतर होती जा रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई बहुत ही घृणित थी और उन्होंने खालिस्तानियों की मदद की है। हिंदुओं पर हमला किया गया। उन्होंने खालिस्तानियों को नहीं हटाया। खालिस्तानियों ने हिंदुओं पर उनके अपने मंदिर में हमला किया। बोर्डमैन ने दिन दहाड़े हुए हमले को लेकर कहा कि कनाडा में पहले भी धार्मिक स्थलों जैसे कि सभाओं और चर्चों को निशाना बनाया गया है, लेकिन हाल ही घटना हिंदू भक्तों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह इस देश में भक्तों पर पहला दिनदहाड़े हमला है। इस घटना को रोका जाना चाहिए था। पत्रकार ने कहा, %हम कनाडा में यह हर समय देखते है, जहां पुलिस यह फैसला लेती है कि वे उन लोगों पर कानून लागू करेंगे, जो इसे सुनने के लिए सबसे अधिक इच्छुक हैं। कनाडा सरकार का कोई भी हिस्सा, इसमें उनका पक्ष नहीं लेता है। उन्होंने हिंदू समुदाय के समर्थन में ठोस कार्रवाई की कमी के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना की। कहा, %जस्टिन ट्रूडो आधे समय तो बातें करते हैं। कभी-कभी वे खुलेआम आतंकवादियों का समर्थन करते हैं लेकिन कभी-कभी वे बातें करते हैं। लेकिन कभी-कभी वे अपने काम पर अमल नहीं करते।

कमला हैरिस अगर चुनी गईं तो प्रवासियों, और अपराधियों के लिए खोल देंगी बॉर्डर : ट्रंप

नॉर्थ कैरोलिना (अमेरिका) । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह निर्वाचित हुईं तो बॉर्डर को खोल देंगी, जिससे देश में प्रवासियों, गिरोहों और अपराधियों का आना शुरू हो जाएगा।रिपब्लिकन उम्मीदवार ने नॉर्थ कैरोलिना के किंस्टन में आयोजित एक रैली में यह बात कही।

ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स उम्मीदवार हैरिस के पास कोई दृष्टि, कोई विचार और कोई समाधान नहीं है। उन्होंने कहा, वह बस इतना ही कह सकती है, डोनाल्ड ट्रंप ने यह किया, डोनाल्ड ट्रंप ने वह किया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, अगर वह कभी जीतीं, तो पहले दिन ही सीमा खोल देंगी। मुझे नहीं पता क्यों, कोई नहीं जानता क्यों। अगर मैं जीता, तो अमेरिकी लोग फिर से इस देश के शासक होंगे। कमला ने अपनी शपथ का उल्लंघन किया है, हमारी संप्रभु सीमा को मिटा दिया है, और दुनिया भर की जेलों, पागलखानों और मानसिक संस्थानों से गिरोहों और

आपराधिक प्रवासियों की एक सेना को मुक्त कर दिया है। ट्रंप ने श्रमिकों और छोटे व्यवसायों के लिए टैक्स में कटौती करने और सीनियर नागरिकों के लिए टिप्स, ओवरटाइम और सामाजिक सुरक्षा पर टैक्स खत्म करने का वादा किया। रिपब्लिकन उम्मीदवार ने प्रवासी अटैक को समाप्त करने और अमेरिका की संप्रभुता को बहाल करने की कसम खाई। ट्रंप ने कहा, जिस दिन मैं पद की शपथ लूंगा, प्रवासी अटैक समाप्त हो जाएगा और हमारे देश की बहाली शुरू हो जाएगी। मेरी योजना श्रमिकों और छोटे व्यवसायों के लिए टैक्स में भारी कटौती करने की है। टिप्स पर कोई टैक्स नहीं होगा, ओवरटाइम पर कोई टैक्स नहीं होगा और हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर कोई टैक्स नहीं होगा। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाले हैं, जिसमें डेमोक्रेट्स उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का मुकाबला पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा। ट्रंप पिछले चुनाव में हार के बाद व्हाइट हाउस में वापसी की कोशिश में है, जबकि हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रचने का लक्ष्य बना रही हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वे में पता चला है कि हैरिस और ट्रंप को लोकप्रिय वोट में 48 फीसदी का बराबरी हासिल है।

अमेरिकी बमवर्षक मध्य पूर्व में पहुंचा

वाशिंगटन। अमेरिकी बमवर्षक विमान बी-52 पश्चिम एशिया में पहुंच गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। इससे पहले अमेरिका के रक्षा विभाग कहा था कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में एक विध्वंसक, बमवर्षक और लड़ाकू विमान भेजे हैं। रक्षा विभाग ने कहा था कि ये बल आने वाले महीनों में इस क्षेत्र में पहुंचने लगेंगे, जबकि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में वाहक हमला समूह प्रस्थान करने की तैयार है।

सेंटकॉम ने एक्स पर कहा, मिनोट एयर फोर्स बेस के पांचवें बम विंग से बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस रणनीतिक बमवर्षक जिम्मेदारी वाले अमेरिकी सेंट्रल कमांड क्षेत्र में पहुंचे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि ईरान की ओर से किये जाने वाले हमले की स्थिति में वह इजरायल को जवाब देने से नहीं रोक पाएगा।

छह महीने बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे चीनी अंतरिक्ष यात्री, कामयाब रहा चीन का मिशन शेनझोउ

बीजिंग। पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष केंद्र बना रहे चीन को अपने मिशन शेनझोउ 18 में बड़ी कामयाबी मिली है। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना शेनझोउ-18 के तहत अंतरिक्ष में गए तीन अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं। चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के मुताबिक चीन के अंतरिक्ष यान शेनझोउ -18 का कैप्सूल तीनों अंतरिक्ष यात्री कमांडर ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर बीजिंग समयानुसार सुबह 1.24 बजे उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया के डोंगफेंग में सुरक्षित उतरा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक तीनों अंतरिक्ष यात्री 192 तक दिन तक निचली कक्षा में रहे और उसका शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। इसके साथ ही मिशन के कमांडर ये गुआंगफू ने भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह एक वर्ष से अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। इससे पहले वह अक्तूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक चीन के शेनोझोउ 13 मिशन में भी शामिल रहे चुके हैं।

अंतरिक्ष में गए एक और यात्री ली गुआंगसु ने बताया कि मिशन के दौरान उन्होंने दो प्रकार के पौधे उगाए। इसमें चेरी टमाटर और सलाद पत्ता शामिल रहे। उन्होंने भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते भी एकत्र किए थे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिक्ष में ताजी सब्जियां खाना एक वरदान है। हरे पौधों ने हमारे व्यस्त काम में भी हरियाली और खुशियां बिखेरीं। चीन ने अपने मानव युक्त मिशन शेनझोउ 18 को इस साल अप्रैल में लॉन्च किया था। इस मिशन के दौरान शेनझोउ-18 चालक दल ने वैज्ञानिक प्रयोग कैबिनेट और अतिरिक्त पेलोड का उपयोग सूक्ष्मगुरुत्व, अंतरिक्ष पदार्थ विज्ञान, अंतरिक्ष जीवन विज्ञान, अंतरिक्ष चिकित्सा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बुनियादी भौतिकी के क्षेत्रों में दर्जनों प्रयोग करने के लिए किया। तीनों की तीन अन्य चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने मदद भी की। चीन हर छह महीने में अपने चालक दल को बदल देता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर किए जाने के बाद चीन ने अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाया। इसका संचालन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी - चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा करती है। चीन के अंतरिक्ष केंद्र में दो रोबोटिक भुजाएं हैं। इसमें एक लंबी भुजा में अंतरिक्ष से उपग्रहों सहित अन्य वस्तुओं को पकड़ने की क्षमता है।

श्री थानेदार का दावा- ट्रंप भारत और अमेरिका के लिए अच्छे नहीं; हेली बोलीं- हैरिस से बेहतर पूर्व राष्ट्रपति

ढाका। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही उम्मीदवार आखिरी कुछ घंटों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं, इनके समर्थकों में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की संभावनाओं के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप तानाशाह बनना चाहते हैं। साथ ही उनका सत्ता में आना भारत के साथ संबंधों के लिए अच्छा नहीं होगा। हालांकि, पूर्व राजदूत निक्की हेली ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का पक्ष लिया। कहा कि हैरिस की तुलना में पूर्व राष्ट्रपति बेहतर विकल्प हैं। भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने पूर्व राष्ट्रपति द्वारा पिछले चुनाव परिणामों से इनकार करने और भारत-अमेरिका संबंधों पर उनके प्रतिबंधों के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में भारतीय-अमेरिकी वोट के महत्व पर बात की, जबकि मिशिगन जैसे महत्वपूर्ण स्विंग राज्य में कमला हैरिस के लिए बढ़ते समर्थन का उल्लेख किया। 2016 के चुनावों के दौरान मिशिगन में ट्रंप की जीत ने इसे एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान बना दिया। हम विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक समूहों के बीच हैरिस की ओर झुकाव देख रहे हैं। ट्रंप ने इनमें से कई समूहों का अपमान किया है, जिसके कारण कुछ लोग पलायन कर रहे हैं।

उन्होंने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के भीतर विविधता पर प्रकाश डाला, जो आम तौर पर डेमोक्रेट झुकाव रखते हैं, सामाजिक, आर्थिक और आव्रजन मामलों पर अलग-अलग विचार रखते हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के मतदान पैटर्न पर बोलते हुए, अमेरिकी सांसद ने कहा कि हालांकि समुदाय डेमोक्रेट की ओर झुकाव रखता है, लेकिन वे सामाजिक, आर्थिक और आव्रजन मुद्दों पर विभिन्न दृष्टिकोणों वाले एक विविध समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जबकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस लोकतंत्र समर्थक और महिला अधिकारों की समर्थक हैं। वहीं ट्रंप ने अप्रवासियों के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की है और धनी कॉरपोरेट्स का पक्ष लिया है।

ईरान ने मुस्लिम दुनिया में आतंकवाद और विभाजन के लिए अमेरिका के नीतियों को ठहराया जिम्मेदार

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुख्य कमांडर होसैन सलामी ने मुस्लिम दुनिया में आतंकवाद और विभाजन के लिए अमेरिका के नीतियों को जिम्मेदार ठहराया हैं।श्री सलामी ने तेहरान में पूर्व अमेरिकी दूतावास के अधिग्रहण की 45वीं वर्षगांठ और 'वैश्विक अहंकार के खिलाफ लड़ाई के राष्ट्रीय दिवस' (जिसे राष्ट्रीय छात्र दिवस' के रूप में भी जाना जाता है।) के अवसर पर आयोजित रैली में कहा कि 'मुस्लिम दुनिया में तकफीरी (चरमपंथी) आतंकवाद और खूनी विभाजन की घटना' सभी अमेरिकी नीतियों के परिणाम है।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार श्री सलामी ने अमेरिका को 'विरोधाभासी पहचान' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि

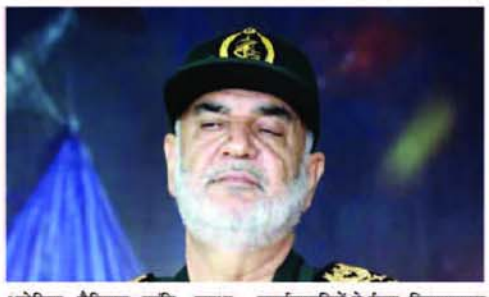

अमेरिका वैश्विक शांति, सुरक्षा और व्यवस्था की बात करता है, जबकि यह दुनिया में सभी 'अपराधों, नरसंहारों और कब्जों' का स्रोत है।अमेरिका के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व अमेरिकी दूतावास के परिसर तक मार्च निकाला तथा अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने ईरान, हिजबुल्लाह और फिलिस्तीन के झंडे लहराए, साथ ही ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और ईरान तथा क्षेत्रीय प्रतिरोध समूहों के मारे गए नेताओं तथा कमांडरों की तस्वीरें भी लहराईं। रैली के अंत में प्रदर्शनकारियों ने ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हुए एक बयान जारी किया और गाजा तथा लेबनान में इजरायल के +अपराधों+ की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गाजा तथा लेबनान में युद्ध विराम की प्राप्ति की दिशा में काम करने का भी आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि फरवरी 1979 में ईरान की इस्लामी क्रांति की जीत के कुछ महीनों बाद, ईरानी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अमेरिकी दूतावास की इमारत पर कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास पर इस्लामी गणराज्य को समाप्त करने की योजना बनाने और अमेरिकी सरकार के लिए जासूसी अड्डे के रूप में काम करने का आरोप लगाया था। तभी से ईरान हर साल राष्ट्रव्यापी रैलियां आयोजित करके अधिग्रहण का जश्न मनाता है।

ब्रैम्पटन मंदिर हमले पर पीएम ट्रूडो ने कहा, कनाडा में हिंसा की घटनाएं अस्वीकार्य

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को ब्रैम्पटन के एक मंदिर में हिंदू श्रद्धालुओं पर हुए हमले की निंदा की। बताया गया कि इस हमले को खालिस्तानी समर्थकों ने अंजाम दिया है। ट्रूडो ने कहा कि देश में हिंसा अस्वीकार्य है। रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया, जिससे काफी रोष फैल गया।

प्रधानमंत्री ट्रूडो ने धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हर कनाडाई को अपनी आस्था का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा अस्वीकार्य है। हर कनाडाई को अपनी आस्था को स्वतंत्रता और सुरक्षा के साथ निभाने का हक है।+

उन्होंने साथ ही पील रीजनल पुलिस का समुदाय की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए धन्यवाद किया। कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोइलिव्रे ने भी इस हमले

की निंदा करते हुए इसे पूरी तरह अस्वीकार्य+बताया। पोइलिव्रे ने कहा कि कंजर्वेटिव पार्टी इस हमले की कड़ी निंदा करती है और वादा किया कि वह जनता को एकजुट करेंगे और इस अराजकता को खत्म करेंगे। पीपुल्स पार्टी ऑफ कनाडा के नेता मैक्सिम बर्नियर ने भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू श्रद्धालुओं पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की कि इससे डरने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि विविधता ही हमारी ताकत है। कनाडा के हिंदू फोरम ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की और प्रधानमंत्री ट्रूडो से खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने %एक्स% पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, +यह अत्यधिक चिंता का विषय है! खालिस्तानियों ने ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में भक्तों पर हमला किया है। यह अस्वीकार्य है।

कनाडा के संसद सदस्य चंद्र आर्या ने भी इस घटना की निंदा करते हुए इसे एक +लाल रेखा का उल्लंघन+ बताया। उन्होंने कहा कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथ बढ़ता जा रहा है और इससे निपटने के लिए हिंदू-कनाडाई समुदाय को जागरूक होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए। इस हमले के बाद, हाल के वर्षों में हुई धार्मिक असहिष्णुता की घटनाओं की एक लंबी सूची में एक और घटना जुड़ गई है। जुलाई में, चंद्र आर्या ने कनाडाई हिंदू समुदाय पर बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता जताई थी, जब एडमंटन के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पर हमला हुआ था।

बॉर्डर के पास रूस ने तैनात किए 7,000 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिक : यूक्रेनी खुफिया एजेंसी

सोल। रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास के इलाकों में एके-12 राइफलों, मोर्टार राउंड और अन्य हथियारों से लैस 7,000 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात किया है। यह दावा यूक्रेन की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी ने किया है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया और पश्चिमी देशों ने चेतावनी दी है कि रूस में स्थित उत्तर कोरियाई सैनिक जल्द ही यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में उतर सकते हैं, जिससे यूरोप और हिंद-प्रशांत क्षेत्र दोनों के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा पैदा हो जाएगा। यूक्रेन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईयू) ने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह रूस के तटीय क्षेत्र से 7,000 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिकों को यूक्रेन के निकटवर्ती क्षेत्रों में ट्रांसफर किया है।डीआईयू ने अपनी वेबसाइट पर कहा, रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज के कम से कम 28 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट

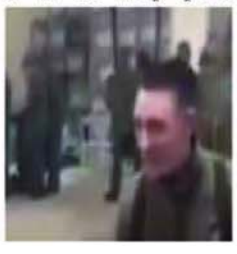

एयरक्राफ्ट की मदद से उत्तर कोरियाई सैनिकों को फ्रंटलाइन पर ले जाया गया। डीआईयू ने दावा किया कि मॉस्को ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूसी फायरआर्म से लैस किया है। इनमें 60 मिलीमीटर मोर्टार, एके-12 राइफल, मशीन गन, स्नाइपर राइफल, एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और एंटी-टैंक ग्रेनेड लांचर और नाइट विजन इक्विपमेंट शामिल हैं।डीआईयू ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक अब रूस के सुदूर पूर्व में पांच अलग-अलग जगहों पर ट्रेनिंग ले रहे हैं।साउथ कोरिया और कनाडा के रक्षा मंत्रियों ने रूस में नॉर्थ कोरिया की कथित सैन्य तैनाती की निंदा की। वहीं, ओटावा में द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून और उनके कनाडाई समकक्ष बिल ब्लेयर ने शुक्रवार (कनाडाई समय) को दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की पहली 'टू एलस टू' बैठक के दौरान बातचीत की। द्विपक्षीय बैठक के दौरान, किम और ब्लेयर ने रूस में सैनिकों की तैनाती की कड़ी निंदा की और इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लंघन और एक 'गैरकानूनी कृत्य' बताया, जो प्रायद्वीप और बाकी दुनिया की शांति के लिए खतरा है। उन्होंने इसके जवाब में वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

नाइजीरिया में सेना ने 187 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया

अबुजा। नाइजीरिया की सेना ने पिछले सप्ताह देश भर में चलाये गये विभिन्न आतंकवाद विरोधी अभियानों में 187 से अधिक संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया और 262 अन्य को गिरफ्तार किया है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बूबा ने अबुजा में चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर के बीच कुल 19 संदिग्ध आतंकवादियों ने अभियान के क्षेत्रों में सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि सेना ने अपने आतंकवाद विरोधी अभियानों में 'बड़ी सफलता' दर्ज की है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान उत्तर-पश्चिमी राज्य सोकोटो के एक गांव में कुख्यात आतंकवादी संदिग्ध अबूबकर इब्राहिम को गिरफ्तार किया गया, जिसे ह्बबू डोगो के नाम से भी जाना जाता है।

चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर के पी ट्रस्ट ने 80 मेधावी छात्र छात्राओ को किया सम्मानित

शिक्षा हमें वह पंख देती है जो हमें ऊंचाइयों तक उड़ने की क्षमता देता है -उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति सिद्धार्थ जी

प्रयागराज। के पी ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेधावी छात्र–छात्राओं यूपी बोर्ड सीबीएसई बोर्ड आईसीएसई बोर्ड का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। सभी बच्चों ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड डाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट कक्षा तथा सी ए जैसी परीक्षाओं में अपने प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर अच्छे अंक अर्जित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ जी द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद हुआ के पी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने माननीय न्यायमूर्ति का अंग वस्त्र पहना कर पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर उनका भव्य एवं दिव्य स्वागत किया। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा वह दीपक है जो कभी नहीं बुझता और शिक्षा में वह पथ देती है जो हमें ऊंचाइयों तक पहुंचने की क्षमता भी प्रदान करता है उन्होंने शिक्षा की गंभीरता को बताते हुए सभी उपस्थित जन को संदेश दिया कि शिक्षा के दम पर ही किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है और शीर्ष पर भी पहुंचा जा सकता है सबको शिक्षा को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए और इसके लिए कड़ी मेहनत करना चाहिए जिससे आपका भविष्य सदैव उज्जवल रहे। उन्होंने के पी ट्रस्ट के पदाधिकारी से कहा कि ट्रस्ट को शिक्षा की ओर बढ़ रहे छात्र–छात्राओं की सदैव मदद करनी चाहिए और एक वैवाहिक वेबसाइट भी खोलने की बात कही। अध्यक्ष डॉ सुशील सिन्हा ने समाज के सभी बच्चों को आश्वासन दिया कि तुम आगे बढ़ो हम तुम्हारे साथ हैं उन्होंने प्यारे बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा व संस्कार है जो सपनों को सरकार में बदल सकती है। लगभग80 छात्र छात्रा को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर माननीय न्यायमूर्ति महोदय द्वारासम्मानित किया गया. जिसे प्रमुखा रूप से श्वेता खरे हर्षित श्रीवास्तव यशी श्रीवास्तव रूपम श्रीवास्तव सार्थक स्वरूप कार्तिकेय श्रीवास्तव आदित्य श्रीवास्तव लक्ष्म श्रीवास्तव बंदिता वंदिता श्रीवास्तव शिवांशी श्रीवास्तव प्रज्ञान श्रीवास्तव शहिद अन्य छात्र–छात्रा पुरस्कृत हुए। कार्यक्रम का संचालन आभा मधुर ने किया। उक्त अवसर पर वीर कृष्ण श्रीवास्तव गोपी कृष्ण अरुण श्रीवास्तव राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव डॉ सिमता श्रीवास्तव डॉ केतन श्रीवास्तव अखिलेश श्रीवास्तव रामू दादा सुधांशु श्रीवास्तव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

यहूदी ईशा बेंजामिन किन्नर अखाड़ा में बनेगी महंत

– सनातन धर्म की मजबूती के लिए है जरूरी : डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

– सनातन धर्म को मजबूत करना है : जगद्गुरु शांडिल्य महराज

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा का घर वापसी अभियान व्यापक स्तर पर जारी है। मुम्बई की 45 वर्षीय यहूदी ट्रांसजेंडर ईशा बेंजामिन किन्नर अखाड़ा में शामिल हो गयी है। उनको तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ में किन्नर अखाड़ा में महंत के पद पर पट्टाभिषेक कर महंत बनाया जाएगा। ईशा के पिता यहूदी और माता हिन्दू थी । ईशा पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह अमेरिकन बैंक एफआईएस कंपनी में कार्यरत हैं। ईश का कहना है कि माता के हिन्दू होने की वजह से सनातन धर्म की ओर शुरू से झुकाव था।

सनातन धर्म के बारे में मां से बहुत कुछ सीखा और जाना था। ईशा ने बताया कि वह करीब तीन वर्ष से किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज के संपर्क में आयी है तब से सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानकारी हुई है और सीख भी रही हूं। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में आकर उसको मजबूत करते हुए प्रचार प्रसार करना है। सभी नियमों को मानना है। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज का कहना है कि ईशा शिक्षित हैं। वह सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानती है। ऐसे में ईशा के सनातन धर्म में आने से सनातन धर्म को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में ईशा बेंजामिन को किन्नर अखाड़ा का महंत बनाया जाएगा। जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महराज श्रृंगवेरपुर धाम ने किन्नर अखाड़ा की पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म को मजबूती और प्रचार प्रसार की जरूरत है इसके लिए किन्नर अखाड़ा की पहल सराहनीय और प्रशंसनीय है। जगद्गुरु स्वामी शांडिल्य जी महराज ने बताया कि किन्नर अखाड़ा सनातन धर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय है। इस दौरान उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और उप्र किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना मा). महामंडलेश्वर स्वामी पवित्रा नंद गिरी. महामंडलेश्वर स्वामी गायत्री नंद गिरि. समाजसेवी राजीव कुमार मिश्र. प्रधानाचार्य डा हरिप्रकाश यादव सहित अन्य प्रमुख लोग थे।

जनपद प्रयागराज को मिली इफको डीएपी की रैक

– जनपद में डी०ए०पी० की है पर्याप्त उपलब्धता स्थानीय माँग के अनुसार कराये वितरण – जिलाधिकारी प्रयागराज

– 811 एमटीसहकारी बिक्री केन्द्रों पर एवं 3310एमटी निजी बिक्री केन्द्रों पर डी०ए०पी० उपलब्ध–के०के० सिंह जिला कृषि अधिकारी

– डी०ए०पी० के विकल्प के रूप में एन०पी०के० का प्रयोग को बढावा देने की अपील

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। जनपद में रबी वर्ष 2024–25 फसलों में बुवाई का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। गंगापार क्षेत्र के वृहद क्षेत्रफल पर आलू की बुआई बड़े पैमाने पर की जाती है। उक्त के दृष्टिगत बुआई के समय प्रयोग की जाने वाली डी०ए०पी० व एन०पी०के० की पर्याप्त उपलब्धता है। जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा कृषि एवं सहकारिता विभाग को निर्देशित किया गया है कि स्थानीय माँग के अनुसार कृषकों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाये। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी ओवररेटिंग का प्रकरण संज्ञान में आने पर सम्बन्धित विक्रेता पर त्वरित कार्यवाही की जाए और कृषकों द्वारा प्राप्त शिकायतों को शिकायत पंजिका में अंकन कराते हुए इसका समय से निस्तारण किया जाये। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि कृषकों के जोत के आधार पर पी०ओ०एस० मशीन के माध्यम से उर्वरक का वितरण कराया जाये तथा जनपद के कृषकों को जागरुक किया जाये की डी०ए०पी० तथा एन०पी०के० के मूल्य तथा गुणवत्ता में कोई अंतर नही है अतः डी०ए०पी० के विकल्प के रूप में एन०पी०के० का प्रयोग को बढावा दिया जाये। बाजार में नकली उर्वरकों के बिक्री को रोका जाये तथा संदिग्ध उर्वरकों का सतत नमूना प्रहित कर प्रयोगशाला में परीक्षण कराते हुए अमानक पाये जाने पर सुसंगत धाराओं में दोषी पर कार्यवाही की जाये। के० के० सिंह जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में कुल 4121 एमटीडी०ए०पी० तथा 7884 एमटीएन०पी०के० उपलब्ध है जिसका जिलाधिकारी स्तर से आवंटन कराकर साधन सहकारी समितियों पर प्रिपोजिशनिंग स्टॉक एवं सामान्य स्टॉक से उर्वरकों का प्रेषण कराया जा रहा है। वर्तमान में जनपद में कुल 811 उच सहकारी बिक्री केन्द्रों पर एवं 3310 एमटीनिजी बिक्री केन्द्रों पर डी०ए०पी० उपलब्ध है तथा इफको की प्राप्त रैक से 1090 एमटीडी०ए०पी० एवं 490 एमटीएन०पी०के० भी प्राप्त हो चुकी है। जिलाधिकारी द्वारा गठित कृषि एवं सहकारिता विभाग के कर्मचारियों द्वारा सतत निगरानी रखते हुए उर्वरक का वितरण कराया जा रहा है तथा सीमापार अवैध परिसंचलन पर भी सतत निगरानी रखी जा रही है।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार देता है

भारत का संविधान दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का सर्वसमावेशी संविधान है

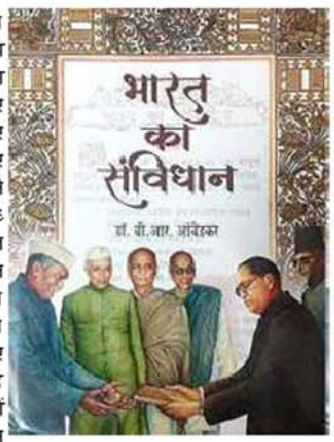

प्रयागराज। यमुनापार की तहसील बारा के विकास खण्ड जसरा की ग्रामसभा छीढ़ी और खटंगिया में संविधान जागरूकता अभियान के चौथे दिन आम जनमानस को बताया गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद–17 अस्पृश्यता व छूआछूत मुक्त भारत देश के साथ अनुच्छेद–15 में जातिविहीन भारत देश का निर्माण व अनुच्छेद 39 (ख) जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के साथ साथ अनुच्छेद–13 रूढ़िवादी प्रथा को समाप्त कर वैज्ञानिकता पर आधारित समाज निर्माण की बात करता है। उक्त बातें डा. अम्बेडकर वेलफेयर नेटवर्क (डान) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बैठक को संबोधित करते हुये बताई। डान संस्थापक ने आगे बताया कि भारतीय संविधान ही प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार देता है। संविधान वकीलो का दस्तावेज नहीं यह जीवन का एक माध्यम है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में भारतीय संविधान सर्वसमावेशी संविधान है। आजादी का अमृत महोत्सव की ही तरह संविधान दिवस की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मानायें जाने में अभी बाइस दिन शेष बचे है क्या केन्द्र और राज्य की सरकारे अपने सत्ता के दौरान संविधान के अनुच्छेद–13. 15. 17. 38 (क). 39 (ख) और अनुच्छेद– 290 का शतप्रतिशत अनुपालन कराने में या तो फेल हुई है या उक्त अनुच्छेद में दिए गए प्राविधानों के विरुद्ध कार्य किये है। क्या केन्द्र और राज्य की ऐसी सरकारों को सत्ता में बने रहना चाहिये ?संविधान दिवस पर आगामी 26 नवम्बर को सिविल लाइन स्थित धरना प्रदर्शन स्थल पर लगने वाले संविधान मेला व संविधान महोत्सव–2024 को भव्यता से मानायें जाने के लिये गांव गांव गली गली संविधान जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।जागरूकता अभियान के दौरान संगीता विजय कुमारी.रन्नो देवी. अनीता रुक्मीना. विटोला गुड्डी. ममता सुषमा अंजली गौतम. पूनम. मुस्कान सिलमा शिवानी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

महाकुंभ मेला–2025 के लिए उन्नत ड्रोन तकनीक के साथ निगरानी क्षमताओं को बेहतर कर रहा रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे

प्रयागराज। हवाई निगरानी क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति के क्रम में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने तीन इंडो विंग्स साइबरोन प्रो क्वाडकॉप्टर ड्रोन प्राप्त किए हैं । ये माइक्रो यूएवी 34.35.075 के बड़े निवेश का हिस्सा हैं और 30 मशीने तक की व्यापक वारंटी के साथ आते हैं। इन अत्याधुनिक ड्रोन के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए. आरपीएफ जोनल ट्रेनिंग सेंटर. सूबेदारगंज द्वारा 28 से 30 अक्टूबर. 2024 तक

एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रयागराज मंडल के 19 आरपीएफ कर्मचारियोंअधिकारियों लखनऊ डिवीजन के 05 आरपीएफ कर्मचारियों अधिकारियों और जीआरपी के 04 कर्मियों सहित 28 कर्मियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में महाकुंभ मेले के दौरान निगरानी. भीड़ प्रबंधन और लाइव निगरानी जैसे कार्यो के लिए साइबरोन प्रो ड्रोन की परिचालन दक्षता को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। साइबरोन प्रो ड्रोन सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक कई कार्यो को संभालने के लिए सुसज्जित हैं. जिसमें उच्च–रिजॉल्यूशन फोटो कैप्चर करना वीडियो रिकॉर्ड करना लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग. स्क्रीनशॉट लेना और थर्मल वीडियोग्राफी करना शामिल है। प्रत्येक ड्रोन में 45 मिनट का उड़ान समय. पर्याप्त 128जीबी स्टोरेज क्षमता है और यह 12 मीटरप्रतिसेकंड तक की गति से संचालित होता है। इसके साथ. रेलवे सुरक्षा बल महाकुंभ मेले में आ रहे लोगों और प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेहतर निगरानी और भीड़ प्रबंधन क्षमताएँ प्रदान करने के लिए तैयार है। ये ड्रोन उत्तर मध्य रेलवे द्वारा बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों में आधुनिक तकनीक का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं जो सार्वजनिक सुरक्षा तैयारियों में एक मील का पत्थर है।

के पी ट्रस्ट मंदिर मे हुआ भगवान चित्रगुप्त की पूजा

प्रयागराज। एशिया के सबसे बड़े शैक्षिक कप ट्रस्ट स्थित चित्रगुप्त मंदिर में तथा शहर के अन्य मोहल्लेऔर कायस्थ परिवार में बड़े ही धूमधाम और उल्लास उल्लास के साथ श्री चित्रगुप्त जी महाराज का पूजन अर्चन और गगन भेदी उद्घोष के साथ मंदिर गुंजायमान रहा है। सभी उपस्थित कायस्थ जन ने पुजनों प्रांत सामूहिक कलम दवात की पूजा की। पूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिला जज रत्नेश कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री चित्रगुप्त जी महाराज पृथ्वी के प्रथम न्यायाधीश है पूजन के उपरांत के पी अध्यक्ष डॉक्टर सुशील स सिन्हा ने मुख्य अतिथि अपर जिलाजज को पुष्प गुच्छ भेंट कर अंग वस्त्र भी अर्पित किया तथा उपस्थित ट्रस्ट के लोगों ने भी माल्यार्पण कर उनका भव्य स्वागत किया। अपर जिला जज ने कायस्थ समाज के सभी लोगों से उच्च शिक्षा ग्रहण करने की बात कही और सदैव एक दूसरे का सहयोग करने का भी संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष डॉक्टर सुशील ने अपने उद्बोधन में कहा कि कायस्थ समाज को ब्राह्मण सहित सभी जाति बिरादरी से दान लेने का अधिकार प्राप्त है। कार्यक्रम का संचालन आभा मधुर एवं धन्यवाद राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव ने किया। सभी लोगों ने आरती के उपरांत प्रसाद ग्रहण करते हुए अपने–अपने घर को प्रस्थान किया। उक्त अवसर पर डॉक्टर के पी श्रीवास्तव महामंत्री वीर कृष्ण श्रीवास्तव गोपी कृष्ण श्रीवास्तव दो ऋतुराज श्रीवास्तव सुधांशु श्रीवास्तव प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव प्रवीण श्रीवास्तव अखिलेश श्रीवास्तव सहित अनेक कायस्थ समाज के लोग उपस्थित रहे।

महाकुम्भ 2025 अद्भुत भव्य दिव्य प्लास्टिक मुक्त स्वच्छ होगा

प्रयागराज। दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुम्भ 2025 जो प्रयागराज की तपोभूमी पर एक अद्भुत भव्य दिव्य सुन्दर प्लास्टिक थर्मोकोल मुक्त होगा जिसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण. नगर–निगम. सृष्टी बेस्ट मैनेजमेंट सर्विस पुरी तरह से देश विदेश से आने वाले सन्त महात्माओ. तिर्थयात्रीयो कल्पवासीयो. से अपने अपने सफाई कर्मचारियो के सहयोग से लोगो को जागरुक करने के लिए एक विशेष अभियान के तहत लगा है जिसमे नगर–निगम के तहत सृष्टी बेस्ट मैनेजमेंट सर्विस अपने नुक्कड नाटक. रैली.और घर–घर जाकर मोहल्ले मे गोष्टी कर पूरे प्रयागराज को साफ स्वच्छ बनाए रखने के लिए जागरुक कर रही है वही नगर–निगम के स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसडर राजेंद्र कुमार तिवारी दुकानजी शहर से संगम छेत्र को पॉलिथिन प्लास्टिक थर्मोकोल मुक्त करने और उसके स्थान पर मिट्टी के बने कुल्हण. ग्लास. प्याला.कागज के ग्लास कप. पत्तल का उपयोग करने के लिए स्लोगन लिखे परिधान पहनकर घूम घूम कर जागरुक करने का जोरदार अभियान के तहत सभी सम्मानित संगठन नागरिको से महाकुम्भ को साफ–स्वच्छ बनाने के लिए सहयोग के साथ स्वच्छता को मजबूरी नही संस्कार मे लाये प्रयागराज को साफ स्वच्छ बनाएं।

प्रयागराज मण्डल ने गाड़ी परिचालन में स्थापित किया नया कीर्तमान

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल की टीम ने यात्री गाड़ियों के परिचालन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये 475 यात्री गाड़ियो को परिचालित कर नया कीर्तमान स्थापित किया । 250 मेल एक्सप्रेस. 121 पसेन्जर और 104 'ट्रेन ऑन डिमांड' गाड़ियों सहित कुल 475 गाड़ियों का परिचालन किया गया। वर्तमान में चल रहे मेंटेनेंस कार्यो. स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत प्रयागराज जंक्शन एवं कानपुर सेंट्रल पर निर्माण कार्य. 15 स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास कार्यो के निर्बाध रूप से चलाने के साथ साथ मण्डल के सभी विभागों के बेहतर समन्वय के फलस्वरूप रिकार्ड गाड़ियों का परिचालन किया जा सका । इस उपलब्धि में सभी विभागों ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया।

श्रद्धालुओं की मुराद जल्द लेगी मूर्ति रूप, अंतिम दौर में मंदिरों का कायाकल्प

– महाकुंभ को श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनाने के लिए तेजी से काम कर रही योगी सरकार

– मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य 15 नवंबर तक पूर्ण होने का अनुमान

– पीडीए से पर्यटन विभाग, स्मार्ट सिटी बेहतर तालमेल से निभा रहे अपनी जिम्मेदारी

प्रयागराज. 4 नवंबर। महाकुंभ मेला 2025 आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार पूरी तैयारी कर चुकी है। इस बार आने वाले श्रद्धालुओं की मुराद जल्द लेगी मूर्ति रूप ले लेगी। सभी तैयारियांअंतिम दौर पहुच चुकी है। मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य 15 नवंबर तक पूर्ण होने का अनुमान है। सनातन धर्म के ज्ञातव्य होकि महाकुंभ 2025 में आस्था अपने चरम पर होगी। गंगा यमुना और सरस्वती के मिलन वाले पावन स्थल संगम पर जहां लाखों करोड़ों लोग स्नान कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे तो वहीं प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में शीश नवाकर अपनी यात्रा को सुखमय और संपूर्ण बनाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ की तैयारियों के साथ–साथ प्रयागराज के मंदिरों के कायाकल्प का भी बीड़ा उठाया है जो अब समापन के करीब पहुंच गया है। पौराणिक महत्ता वाले प्रयागराज के तमाम मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य लगभग खत्म होने वाला है। ऐसी कुल 19 परियोजनाओं में से 17 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी. जबकि 2 परियोजनाएं 30 नवंबर तक हो जाएंगी पूर्ण हो जाएंगी। दीपावली के बाद इसमें और तेजी से कार्य किया जा रहा है।

> महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से आगे बढ़ रही हैं। मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य भी अंतिम चरण में चल रहा है। मेला प्रशासन ने महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आस्था के साथ ही सुविधा पर विशेष ध्यान दिया है. ताकि उनकी यात्रा यादगार साबित हो।
>
> विवेक चतुर्वेदी.
> अपर मेलाधिकारी. महाकुंभ

तेज गति से चल रहा काम

डाल डी में लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा महाकुंभ की समीक्षा बैठक में इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। इसमें बताया गया कि मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाओं में तीन प्रमुख विभाग कार्य कर रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग. स्मार्ट सिटी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये तीनों ही विभाग आपसी समन्वय से इन सभी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में जुट गए हैं।

तत्परता से कार्य कर रहा पर्यटन विभाग

मंदिर कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित कुल 15 परियोजनाएं ऐसी हैं जिस पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार. 15 में से 14 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी. जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में भरद्वाज कॉरिडोर. मनकामनेश्वर मंदिर कॉरिडोर समेत द्वादश माधव मंदिर. पड़िला महादेव मंदिर अलोपशंकरी मंदिर और 9 अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार शामिल है।

स्मार्ट सिटी और पीडीए ने भी बढ़ाई रफ्तार

इसी तरह. स्मार्ट सिटी 3 प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है और तीनों ही परियोजनाएं 15 नवंबर पूर्ण हो जाएंगी। इसमें अक्षयवट कॉरिडोर. सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। वहीं. प्रयागराज विकास प्राधिकरण दो परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। इसमें नागवासुकी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है तो वहीं हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य 10 दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

विधवा की जमीन पर सांसद, विधायक, मंत्री ने किया भूमि पूजन मंगल भवन के लिए परिवार के साथ किया अमंगल

उजाड़ी फलदार वृक्षों की बगिया लगभग 35 साल पहले शासन ने रामगोपाल को दी थी जगह विधवा पत्नी और उनकी बहू सब्जियां लगाकर करते हैं गुजर-बसरजनप्रतिनिधियों की मिली भगत से इनकार नहीं

नर्मदापुरम।शहर सहित जिले भर में सरकार और प्रशासन गरीब लोगों के आशियाना बनवा रहे हैं। उन्हें रोजगार दे रहे हैं , वहीं कुछ जनप्रतिनिधि द्वेषपूर्ण व्यवहार से गरीब और बेसहारा लोगों को परेशान कर रहे हैं। सरकार फलदार वृक्षों के लिए जगह दे रही है, उनकी रक्षा कर रही है और कई योजनाएं भी चला रही है , लेकिन शहर के समीपस्थ ग्राम आंचलखेड़ा में ग्राम पंचायत की अनुशंसा पर पीडब्ल्यूडी मंगल भवन का निर्माण कर रहा है । जिस जगह पर यह निर्माण होना है उस पर लगभग 35 साल पहले से रामगोपाल मालवीय का कब्जा था। उनके निधन के बाद की पत्नी यहां रहती हैं। स्व. रामगोपाल ने यहां पर आम, इमली, अमरूद जैसे 90 फलदार वृक्ष लगाए थे। जिसको लेकर शासन ने उन्हें अनुमति भी दी थी और उन्हें हक भी दिया था। सोमवार को उस जगह को ग्राम पंचायत के सहयोग से तहस-नहस किया गया। मंगल भवन के कारण गरीब का अमंगल किया। वृक्ष उखाड़े और क्षेत्र की साफ सफाई कर दी। यहां यह परिवार सब्जी और फलों से अपनी गुजर-बसर कर रहा था । उनका रोजगार छीना गया। जबकि यह पूरा क्षेत्र आबादी घोषित है और इस पर अभी स्टे लगा है । जगह का पट्टा भी है और केस चल रहा है । अगली पेशी 9 तारीख को होनी है, लेकिन जनप्रतिनिधियों ने इसका भूमि पूजन सोमवार को करवा दिया।

विधवा पत्नी अपनी विधवा बहू के साथ चार बच्चों को लेकर करती है गुजर

-बसरग्राम आंचलखेड़ा में जिस जगह पर मंगल भवन के लिए भूमि पूजन किया गया, वह स्वर्गीय रामगोपाल की कब्जे की थी। उनकी विधवा पत्नी पार्वती मालवीय यहां पर सब्जी भाजी लगाकर गुजारा करती हैं । उनके बेटे की मृत्यु हो गई तो उनकी विधवा बहू उनके चार बच्चों के साथ यहां पर रहती है । उनका एक बेटा मानसिक रूप से कमजोर है। बताया जाता है कि इस मामले में जनप्रतिनिधि की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता। द्वेषपूर्ण व्यवहार के चलते उन्होंने यह जगह मंगल भवन के लिए चुनी और रोजगार व आशियाना उजाड़ दिया।

नायब तहसीलदार ने धारा 239 के

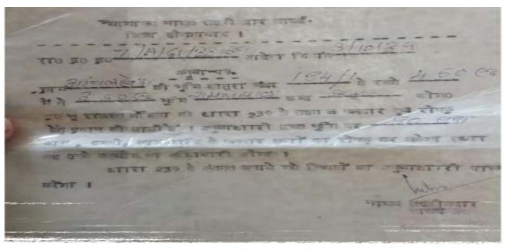

अंतर्गत उपलब्ध कराई थी जगह-

वर्तमान में जिस जगह पर मंगल भवन का निर्माण किया जा रहा है, वह स्व रामगोपाल को 1988-89 में न्यायालय तहसीलदार ने फलदार वृक्ष के लिए दी थी। 4.50 एकड़ में से 3.60 एकड़ भूमि रामगोपाल को भू राजस्व संहिता की धारा 239 के तहत फलदार वृक्ष रोपण के लिए दी थी। अनुज्ञा धारी ने भूमि पर 90 फलदार वृक्ष का रोपण किया था। वह उनके उपयोग के लिए अधिकारी होगा यह भी कहा गया था। लेकिन अब उस जगह को उजाड़ दिया गया है । हरे भरे वृक्ष काटे गए जो कि नियम विरुद्ध है।

आबादी घोषित वाली है जगह, भवन के लिए और भी है सरकारी जगह

जिस जगह पर मंगल भवन का निर्माण कराने की कवायद चल रही है वह आबादी घोषित की गई है। यहां पर पट्टे भी वितरित किए गए हैं । जबकि इस जगह के बाजू में भी सरकारी जगह है जहां पर लोगों का कब्जा है, वहां पर यह भवन निर्माण नहीं किया जा रहा है। गरीब परिवार को परेशान किया गया।

50 लाख की लागत से बनना है मंगल भवन-

बताया जाता है कि पीडब्ल्यूडी को मंगल भवन बनाने के लिए दिया गया है। यह 50 लाख रुपए की लागत से बनाया जा रहा है, लेकिन यहां पर इस परिवार का कई सालों से कब्जा है। वह यहां सब्जी भाजी,फल आदि लगाकर अपना भरण पोषण करता है । उसे बेदखल किया गया और उसकी रोजी-रोटी छीनी गई।

जनप्रतिनिधियों को किया गुमराह, हुआ भूमि पूजन

-ग्राम आंचल खेड़ा में के मंगल भवन का भूमि पूजन दो सांसद मंत्री और विधायक ने किया लेकिन इन सबको गुमराह किया ग्राम के ही सरपंच पति ने। जबकि उक्त जगह पर गरीब महिला अपना भरण पोषण कर रही थी। लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सांसद विधायक को गुमराह किया। आज इसका भूमि पूजन किया गया है । इस मौके पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राजसभा सदस्य माया नारोलिया, शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, क्षेत्र के विधायक विजयपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष माधव दास अग्रवाल , पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सहित कई भाजपा के दिग्गज नेता शामिल हुए।

गलती हो जाए तो प्रायश्चित जरूर करें: पंडित श्री देवेंद्र शास्त्री जी महाराज ने भागवत कथा के दूसरे दिन में गुरु का महत्व समझाया

ग्वालियर रमटापुरा स्थित सेठ बुलाकी दास मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में दूसरे दिन सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं. श्री देवेंद्र शास्त्री जीमहाराज ने कहा कि मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं। लेकिन ऐसा होने पर समय रहते सुधार और प्रायश्चित जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो गलती पाप की श्रेणी में आ जाती है कथा व्यास ने पांडवों के जीवन में होने वाली श्रीकृष्ण की कृपा को बड़े ही सुंदर ढंग से दर्शाया। कहा कि परीक्षित कलियुग के प्रभाव के कारण ऋषि से श्रापित हो जाते हैं। उसी के पश्चाताप में वह शुकदेव जी के पास जाते हैं। उन्होंने कहा कि भागवत के चार अक्षर इसका तात्पर्य यह है कि भा से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग जो हमारे जीवन में प्रदान करे उसे हम भागवत कहते है। इसके साथ साथ भागवत के छह प्रश्न, निष्काम

भक्ति, 24 अवतार श्री नारद जी का पूर्व जन्म, परीक्षित जन्म, कुन्ती देवी के सुख के अवसर में भी विपत्ति की याचना करती है। क्यों कि दुख में ही तो गोविन्द का दर्शन होता है। जीवन की अन्तिम बेला में दादा भीष्म गोपाल का दर्शन करते हुये अद्भुत देह त्याग का वर्णन किया। साथ साथ परीक्षित को श्राप कैसे लगा तथा भगवान श्री शुकदेव उन्हे मुक्ति प्रदान करने के लिये कैसे प्रगट हुये पंडित देवेंद्र शास्त्री जी महाराज ने बताया कि किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे है वहां आपका, अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान ना हो। यदि ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर जाना नहीं चाहिए। चाहे वह स्थान अपने जन्म दाता पिता का ही घर क्यों हो। कथा में देवेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा सत्संग करने से भगवान प्रसन्न होते हैं संसार में सत्य कहां है संसार में जो कमाया वह स्वयं के लिए कमाए लेकिन परमात्मा अकेला ही सत्य है बाकी सब झूठ है भागवत कथा को बार-बार सुनना चाहिए भागवत में रसिक एवं भावों के बिना सुनना व्यर्थ है जीवन में गुरु का बहुत महत्व है जब परमात्मा धरती पर जन्म लेते हैं तो वह भी गुरु बनाते हैं इसलिए संसार में हर मनुष्य को गुरु का बनाना आवश्यक है व्यास पीठ से आचार्य श्री ने कहा कि संसार में कोई किसी का नहीं है उन्होंने अमरनाथ गुफा में अमर कथा का? भी वर्णन किया की सुखदेव जी की उत्पत्ति कैसे हुई कथा के अंत में उन्होंने महाभारत का भी वर्णन किया श्रीमद् भागवत कथा में आज कथा परीक्षित समस्त समाज बंधुआदि ने भागवत भगवान की आरती की। आरती के उपरांत प्रसादी वितरित की गई

मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी आदर्श गौशाला का दौरा किया। इस गौशाला का प्रबंधन श्रीकृष्णायन देसी गौ संरक्षण संगठन द्वारा किया जा रहा है

मध्य प्रदेश पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री रमेश जी ने ग्वालियर के मोरार स्थित ललटिपारा में मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी आदर्श गौशाला का दौरा किया। इस गौशाला का प्रबंधन श्रीकृष्णायन देसी गौ संरक्षण संगठन द्वारा किया जा रहा है और इसे राज्य में गौ संरक्षण और गौसेवा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। यहाँ लगभग 10,000 से अधिक गायों की देखभाल की जाती है।दौरे के दौरान श्री रमेश जी ने गौशाला में गायों की देखभाल, प्रबंधन और स्वच्छता की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही, उन्होंने गोबर से जैव-सीएनजी उत्पादन की 100 टन क्षमता वाली नई परियोजना को भी समझा पर्यावरण-संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना के तहत, गोबर का सही उपयोग कर जैव-सीएनजी का उत्पादन किया जा रहा है, जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल है बल्कि ऊर्जा उत्पादन का भी एक स्थायी स्रोत है।

भाईदूज के अवसर पर वक्त गुरु सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज की विश्व के ज़िम्मेदारों से अपील

सभी जिम्मेदार एक जगह इक्ठठा हो करके युद्ध के बजाय शांति का रास्ता निकाले तो रास्ता निकल आएगा

उज्जैन म.प्र वक्त गुरु परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने दीपावली कार्यक्रम में उज्जैन आश्रम में दिए संदेश में बताया कि जहां लड़ाई हो रही और लड़ाई के लिए तैयार देशों के रहनुमओं से हम प्रार्थना करेंगे कि आप लोग शांति का रास्ता निकाल लीजिए और शांति के पथ पर चलिए जिससे जन-धन की हानि न हो।

विनाश के परिणामों से बचने की आवश्यकता-आदमी एक तरफ चले जाएं और दूसरी तरफ का नुकसान हो जाए, जमीन न रह जाए, गड्ढा बन जाए, रहने के लिए मकान न रह जाए, जरूरत की चीजें बाजारों में जहां मिलती हैं, वह न रह जाए, मनुष्य के फायदे के लिए जो जानवर बनाए गए, यह न रह जाए तो आदमी क्या खाएगाड़ कहां रहेगाड़ क्या करेगाड़ इसको सोचने की जरूरत है। धन-सम्पत्ति की भी हानि होगी तो आदमी जान बचाने पर भी सुखी नहीं रह सकता। इसलिए दोनों चीजे इस वक्त पर बचाना जरूरी है।विश्व युद्ध की रूपरेखा बनाने वालो को बुला करके शांति का रास्ता निकाले तो रास्ता निकल आएगा नहीं होगा विनाशऔर उन्हीं देश के लोगों को, जो जिम्मेदार लोग हैं, बुला करके, बैठा करके बात करें। जो इस समय पर लड़ाई करके विश्व युद्ध की रूपरेखा बनाने के लिये कमर कस करके तैयार हैं, उनको बुला करके, जिम्मेदार लोग रास्ता निकाले तो रास्ता निकल सकता है नहीं तो विनाश काले विपरीत बुद्धि। बुद्धि विपरीत हो जाएगी फिर विनाश होगा।

धरती आभा जनजाति उत्कर्ष अभियान के तहत ज़रूरतों का सर्वे करें

गाँवों में कैम्प लगाए,ग्रामीणों को पता होना चाहिए कि क्या काम लिए जाएँगे कुछ बाक़ी ना रहे,सैचुरेशन मोड में काम करें

धार /धरती आभा जनजाति उत्कर्ष अभियान के तहत ज़रूरतों का सर्वे करें। गाँवों में कैम्प लगाए,ग्रामीणों को पता होना चाहिए कि क्या काम लिए जाएँगे।कुछ बाक़ी ना रहे,सैचुरेशन मोड में काम करें। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने ये निर्देश आज समयावधि के पत्रों की समीक्षा के दौरान धरती आभा जनजाति उत्कर्ष अभियान के संबंध में चर्चा करते हुए प्रदान किए। बैठक में ज़िला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी,एडीएम अश्विनी कुमार रावत सहित ज़िला अधिकारिगण उपस्थित थे। 2011 की जनगणना आधार 500 से अधिक जनसंख्या वाले गाँव

जिनकी पचास प्रतिशत आबादी एसटी है,को इसमें शामिल किया गया है। कलेक्टर ने कहा कि इस श्रेणी में ज़िले के लगभग आठ सौ ग्राम आते है। उन्होंने कहा कि जो गाँव बच गए हैं उनका सर्वे कर इसमें शामिल किया जाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा कर लें। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत अगले 5 वर्षों में 17 मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से 25 योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का लक्ष्य भारत सरकार के 17 मंत्रालयों द्वारा परिपूर्णता और आउटरीच द्वारा कार्यान्वित 25 प्रयासों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण कमियों को खत्म करना और जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों के समग्र और सतत विकास को सुनिश्चित करना है। अभियान में जनजातीय आबादी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

हटा क्षेत्रीय ग्राम पंचायत पिपरिया किरण में श्री बहादुर पटेल जी बड्डे के निज निवास पर पहुंचे

हटा सांसद राहुल सिह लोधी साथ में विधायक प्रतिनिधि लालचंद खटीक जी राधिका पटेल जी पटेरा जनपद के पूर्व अध्यक्ष बद्री पटेलजी शेलेश पटैल गंगाराम पटेल नेताराम पटेल गोपाल पटैल ग्रामवासी उपस्थित रहे

बाग में चारभुजा नाथ को 56 भोग लगाए: माहेश्वरी युवा संगठन ने किया अन्नकूट महोत्सव का आयोजन, किया सहभोज

बाग में दीपावली के बाद आगामी 15 दिवस तक अन्नकूट महोत्सव के आयोजन की शुरुआत हुई। रविवार रात में माहेश्वरी युवा संगठन ने प्रभु श्री चारभुजानाथ के भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महेश्वरी भवन को आकर्षक रूप से सजाया गया। भगवान चारभुजा नाथ का मनमोहक श्रृंगार किया और 56 भोग लगाए गए।अन्नकूट महोत्सव में भगवान की चंवर ढुलाई और महाआरती के लाभार्थी के लिए बोली लगाई गई। वरदीचंदजी रिद्धराजजी झंवर परिवार ने सर्वाधिक बोली लगाकर चारभुजा नाथ की आरती करने का लाभ लिया। इस अवसर पर सभी समाजजनों का सहभोज हुआ अन्नकूट महोत्सव में बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाजजन उपस्थित रहे!**66 हजार की बोली लगाई-**बाग के वरदीचंद रिद्धराज झंवर परिवार ने 66 हजार 666 रुपए की सर्वाधिक बोली लगाकर भगवान की आरती करने का लाभ लिया। महेश्वरी मांगलिक भवन में चारभुजा नाथ की अलंकारित तस्वीर भेंट करने पर समाजसेवी निर्मल अगाल का युवा संगठन ने सम्मान किया। सभी समाजजनों ने चारभुजा नाथ के दर्शन कर पुण्य लाभ लिए। आयोजन में समाजजनों का सहभोज भी हुआ।**ये रहे मौके पर मौजूद-** प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहित झंवर, धार जिला युवा संगठन अध्यक्ष अंकित झंवर, नगर युवा संगठन अध्यक्ष रजत मानधन्या, पवन झंवर, जगदीश तापड़िया, राज मालानी हरीश बाहेती, आतुर लड्ढा, गौरव तापड़िया, वेदांश अगाल, केशव अगाल, ऋषभ झंवर सहित युवा संगठन के साथियों ने अदम्य उत्साह से कार्य कर अन्नकूट महोत्सव को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन उमेश मानधन्या ने किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478